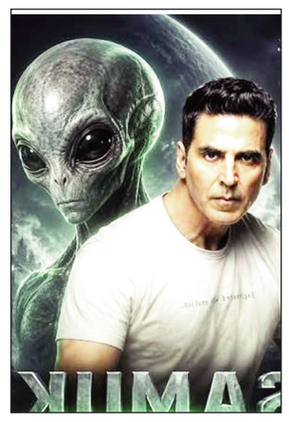


सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



625 KM की साइकिल यात्रा से पंजाब में.... पेज: 6

अक्षय कुमार की समुक में नया ए टर बनेगा विलेन पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 216 | मंगलवार 10 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा आसमान

देश भर में धूमधाम से मनी दीवाली,लोगों ने की करोड़ों की आतिशबाजी





नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में दीपावली की धूम रही। इस बार कई करोड़ रुपए की आतिशबाजी हुई। नगर से लेकर गांवों तक दीपोत्सव की धूम रही। घरों में दीपों और बिजली की रंगीन मालाओं से रोशनी बिखरी तो आसमान देर रात तक आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। दीपावली से दो दिन पहले ही लोगों ने घरों को फूलों, रंगीन झालरों और बिजली की मालाओं से सजाना शुरू कर दिया था। रविवार को सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां चलती रहीं। महिलाओं ने गन्ने से मां लक्ष्मी की प्रतिमा तैयार की और घरों के आंगन में आकर्षक रंगोलियां सजाईं। शाम होते ही लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मी पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखे जलाने का उत्साह नजर आया। अनार, रॉकेट, चकरी और फुलझड़ियों से आसमान देर रात तक रंगीन होता रहा। शहरों में इस बार कई करोड़ रुपये की आतिशबाजी का अनुमान लगाया जा रहा है। दीपावली के लिए आतिशबाजी की अस्थायी दुकानें सजाई गई थीं।

पांच साल में डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ

38 हजार करोड़ पार, इसमें प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा 45 फीसदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5



देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। संसद में पेश आंकड़े के अनुसार, 2025-26 में विदेशी पूंजीगत रक्षा खरीद पर 37,047.31 करोड़ रु. खर्च हुए थे, जबकि इसी अवधि में भारत से सरकारी और निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा, जिसमें निजी सैन्य इंडस्ट्री का योगदान 45.2 फीसदी दर्ज हुआ। बड़ी वजह यह रही कि मिसाइलों से लेकर रडार, ड्रोन और कॉम्बैट उपकरणों तक निजी उद्योग को डीआरडीओ से 2,372 टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर हुआ। रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े सैन्य संकट में हथियारों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए देश को सरकारी कारखानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि रक्षा उत्पादन में एक और बाधा दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

अर्से बाद तेजस्वी और तेज ने साथ काटा केक

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के लिए ये वीडियो काफी बड़ा संदेश भी साबित हो सकता है। तेजस्वी यादव दीवाली के मौके पर पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी के घर कौटिल्य नगर पहुंचे थे। अगले ही दिन 9 नवंबर को उनका जन्मदिन भी था। इस दौरान आधी रात को ही तेजस्वी यादव ने जन्मदिन पर दो केक काटे। उनके साथ खड़े थे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव। चौंकिए नहीं, अर्से बाद दोनों भाइयों का साथ खड़े वीडियो सामने आया है।



राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पॉलिटिकल मैनेजमेंट का माहिर खिलाड़ी माना जाता है। ऐसे में उनके दोनों बेटों के बीच गहरी खाई थी। राजद सुप्रीमो ने अपना दिमाग लगाया और अर्से बाद दोनों भाइयों को एक साथ, एक जगह लाकर खड़ा कर दिया। ये अलग बात है कि तेज प्रताप यादव राजद से अपनी राह जुदा कर चुके हैं। लालू प्रसाद यादव ने इस खाई को परिवार तक आता देख चुके हैं। ये दरार और चौड़ी हो, इससे पहले लालू यादव ने दिवाली के मौके पर तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को अपने आवास बुला लिया। यहीं लालू ने दिखाया कि जब वो पॉलिटिकल मैनेजमेंट कर सकते हैं, तो ये तो उनके घर की बात है।

कर्नाटक के बाद अब केरलम जानेगा एथनॉल की मात्रा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण और पेट्रोल के रैंडम नमूनों की लैब जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ईंधन में एथनॉल का मिश्रण कानूनी रूप से तय 20 प्रतिशत (ई20) की सीमा से अधिक तो नहीं किया जा रहा है। केरलम नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्ती पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद सामने आई है, जिसमें दावा किया गया था कि पेट्रोल में अत्यधिक एथनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज में भारी गिरावट आ रही है। आदेश जारी



होते ही प्रवर्तन टीमों ने कोच्चि सहित राज्य भर के ईंधन स्टेशनों पर ई 20 पेट्रोल के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। एर्नाकुलम जिले के चेम्बुमुक्कू स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक पेट्रोल पंप पर अधिकारियों ने तेल कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेट्रोल के कई बैच से नमूने लिए। निरीक्षण की निगरानी कर रहे एर्नाकुलम के जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी शाजी पीआर ने बताया कि चेम्बुमुक्कू स्थित पंप से साधारण पेट्रोल के एक-एक लीटर के छह नमूने एकत्र किए गए हैं। इनमें से दो नमूनों को एथनॉल की मात्रा जांचने के लिए लैब भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार है।

दीवाली की रात

देश भर में आग से 23 की मौत

एमपी में 13 की जान गई,महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं।

सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई।

मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं।

हादसे में तीन दुकानें और



कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।

मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

यूपी में कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुईं, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ मनाई दीवाली

कहा-हथियार वाले नक्सली गए,अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा, ये लोगों को भड़का रहे



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं। पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में जवानों के सामने कही। पीएम यहां दीवाली मनाने पहुंचे थे। उन्होंने 42 मिनट स्पीच दी। पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दीवाली मनाने पहुंचे थे। इससे पहले 12 मौकों पर उन्होंने देश के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा 3 बार जम्मू-कश्मीर गए। दो-दो बार हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जा चुके हैं।

पीएम बोले-देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ

2026 की दीवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है। 2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है। जब किसी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तो बाहरी दुश्मन सफल नहीं हो पाते, लेकिन जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन भी सिर उठाने लगते हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

राहुल गांधी ने आठ दिन में पीएम को 6वीं बार दी चुनौती

पीएम ने हमें नक्सली कहा मुझसे बहस करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल गांधी ने ङ्क पर लिखा -प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है पता चल जाएगा।



मोदी ने कहा था-दिमागी नक्सलियों से लड़ना है- छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दीवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं।



4 दिन से फरार था,मई में भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर

बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था।



बंगाल में 5 महीने में रेप के 2,454 और हत्या के 600 मामले

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद 1 मई से 24 सितंबर के बीच रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर दिन करीब 17 मामले सामने आए। इस दौरान हत्या के 600, हत्या की कोशिश के 13,114 और गंभीर चोट पहुंचाने के 32,341 मामले भी दर्ज किए गए। वहीं, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की छह महीने में यह चौथी घटना है। ये आंकड़े राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हवाले से आरटीआई के जवाब में सामने आए हैं। आरटीआई आवेदन टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने दाखिल किया था।

4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा। **लतीफ पर 15 लाख का ईनाम पहले से-** इससे पहले अगस्त-सितंबर में काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने वांछित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी के लिए श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं।

उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा



ललित गर्ग

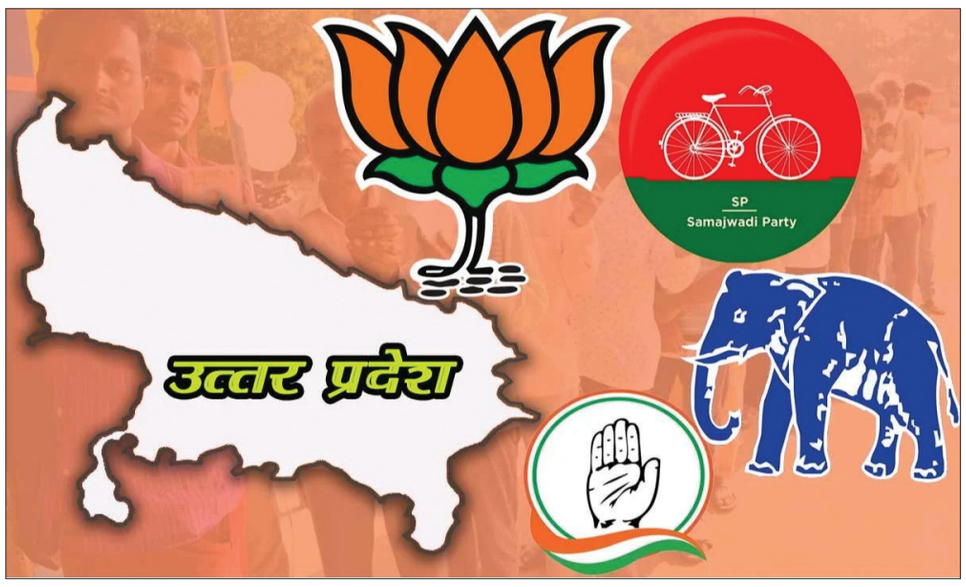
सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष



सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है।

भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं।

इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर 'गेम चेंजर' बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते-बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में कोई असंतुलन दिखाई दिया तो इसका लाभ विपक्ष उठा सकता है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि योगी को निर्विवाद चुनावी चेहरा रखते हुए अमित शाह की संगठनात्मक रणनीति को उनके नेतृत्व का पूरक बनाया जाए, प्रतिस्पर्धी नहीं। इसलिए 2027 में योगी की राजनीतिक मजबूती केवल सरकार की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अमित शाह की रणनीति और भाजपा के आंतरिक अनुशासन के बीच बनने वाले संतुलन से भी तय होगी। इसके लिये जरूरी है कि शाह एवं योगी के बीच संतुलन एववं सौहार्द का वातावरण बनना जरूरी है।

2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव अंततः केवल हिंदू-मुस्लिम, भाजपा-सपा या योगी-अखिलेश की लड़ाई नहीं होगा। यह मतदाता के बदलते विवेक, विकास की वास्तविक अनुभूति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भविष्य की उम्मीदों की परीक्षा होगा। चुनाव की करवट अभी तय नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार उत्तर प्रदेश में मुकाबला पिछले चुनावों की तुलना में अधिक जटिल, बहुस्तरीय और दिलचस्प होने जा रहा है। यही जटिलता 2027 को भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बनाएगी।

संपादकीय

अधिक बच्चे 'दंडनीय' नहीं

यदि आप दो से अधिक बच्चों के माता-पिता हैं, तो आपको किसी भी सरकारी तथा सामाजिक योजना से वंचित नहीं रखा जा सकता। आपको सरकारी सेवा अथवा नौकरी का भी लाभ मिलता रहेगा। आपको चुनाव लडने को भी 'अयोग्य' करार नहीं दिया जा सकता। बच्चों के प्रजनन और आपकी शारीरिक स्वायत्तता भी संविधान के अनुच्छेद 21 में 'मौलिक अधिकार' के तौर पर दर्ज है। अब यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। अदालत की चिंता यह है कि देश की औसत प्रजनन दर 1.9 हो गई है। अर्थात माता-पिता औसतन 2 बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं। यह 'रिप्लेसमेंट लेवल' (2.1) से भी कम है। यह लेवल वह दर है, जिस पर कोई आबादी बिना घटे ही खुद को बनाए रख सकती है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का निर्णय है कि यदि किसी युगल के घर में 3 बच्चे हैं, तो माता-पिता में से किसी को भी 'दंडित' नहीं किया जा सकता। दंडस्वरूप किसी भी सार्वजनिक लाभ, अवसर, परियोजना से 'वंचित' भी नहीं रखा जा सकता। शीर्ष अदालत के सामने महाराष्ट्र के काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव का मामला था। जब मंगला के 3 बच्चे हुए, तब उन्हें चुनाव लडने के 'अयोग्य' करार दे दिया गया। शीर्ष अदालत ने उस 'अयोग्यता' के फैसले को खारिज किया है। यही नहीं, सर्वोच्च अदालत के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे ने इस मामले को एक उच्च पीठ के पास भी भेज दिया है। 2003 में हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2 से अधिक संतान पैदा करने वालों को चुनाव लडने से वंचित करने के पक्ष में फैसला दिया था। अब उस फैसले पर सर्वोच्च अदालत में व्यापक पुनर्विचार होगा। बहरहाल भारत की आबादी में घटने के कोई भी रुझान या संकेत नहीं हैं, लेकिन बूढ़े, उम्रदराज लोगों की आबादी बढ़ती जा रही है। जनगणना के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर 2022-26 में भारत की उम्रदराज आबादी 15 करोड़ से अधिक होगी। 2036 तक यह संख्या करीब 22.7 करोड़ तक पहुंच सकती है। यह कुल आबादी का 15 फीसदी हिस्सा हो सकता है।

2047 तक 'विकसित भारत' का सपना और संकल्प पूरा हो अथवा न हो, लेकिन 2050 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या 32-34 करोड़ तक पहुंच सकती है। उस बिंदु के बाद हमारी जनसंख्या घटनी शुरू हो सकती है। फिलहाल हम विश्व के 'सबसे युवा देश' हैं। गौरतलब यह है कि सरसंघचालक मोहन भागवत 'अधिक बच्चे' पैदा करने का आह्वान करते रहे हैं। कुछ साधु-संत किस्म के चेहरे भी 'कम से कम 4 बच्चे' पैदा करने की नसीहत देते रहे हैं। जैन मुनि तक अपने धर्म-अनुयायी भक्तों को अधिक बच्चों को जन्म देने का उपदेश देते रहे हैं, क्योंकि जैन समुदाय 'अत्यंत अल्पसंख्यक' होता जा रहा है। इन आह्वानों और नसीहतों के सरोकार कुछ भी हों, लेकिन उनकी आड़ में सियासत भी जारी रही है। एक वर्ग 'जनसंख्या के असंतुलन' के बयान देकर आरोप चस्पां करता रहा है कि एक खास समुदाय अधिक बच्चे पैदा कर रहा है, लिहाजा देश में आबादी के समीकरण बिल्कुल पलट सकते हैं। बहरहाल हम इन आरोपों को यहीं छोड़ते हैं और संवैधानिक मौलिक अधिकारों का विश्लेषण करते हैं। यदि आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दूसरे बच्चे के लिए 25,000 रुपए, तीसरे बच्चे पर 30,000 रुपए और चौथे बच्चे के लिए 40,000 रुपए नकद देने की हालिया घोषणा की है, तो बुनियादी चिंता यह है कि आंध्र में प्रजनन दर 2 से कम है। भारत में आंध्र के अलावा तमिलनाडु, केरल सरीखे दक्षिणी राज्यों की जनसंख्या अपेक्षाकृत घटी है। कारण कई हैं, जिनमें परिवार नियोजन भी प्रमुख है। वैसे हम अक्सर दो बच्चों वाली नीति का विरोध सुनते आए हैं और कई राज्यों ने इस नीति को स्वीकार करने या लागू करने से ही अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। ऐसे 15 राज्य हैं, जहां कोई भी नीति लागू नहीं है। आंध्र सरकार ने साल भर के मातृत्व अवकाश और दो माह के पितृत्व अवकाश की भी घोषणा की है। बहरहाल शीर्ष अदालत की चिंता समझनी चाहिए। देश में अब जनसंख्या-विस्फोट की स्थिति नहीं है, लिहाजा प्रजनन दर 1.9 हो गई है। बेशक परिवार नियोजन के अनुशासन और परिवार की गुणवत्ता के साथ-साथ प्रजनन दर भी बेहतर रहे, ताकि भारत 'बूढ़ा देश' बनने से बच सके।

सूक्ति

ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ न आदर है, न जीविका, न मित्र, न परिवार और न ही ज्ञान की आशा। - विनोबा भावे

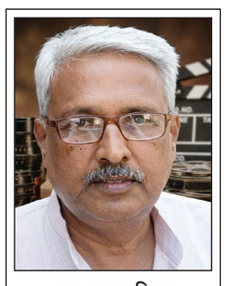
अपने उसूलों के लिये, मैं स्वंय मरने तक को भी तैयार हूँ, लेकिन किसी को मारने के लिये, बिल्कुल नहीं। - महात्मा गाँधी

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जलवायु सम्मेलन से भारत की उम्मीदें और चुनौतियां



राज कुमार सिन्हा

जलवायु परिवर्तन आज पूरी मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह केवल पर्यावरण का सवाल नहीं, बल्कि मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है। तुर्की में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कोप -31 की शुरुआत कल 9 से 20 नवंबर के बीच अंताल्या शहर में प्रारंभ हो गया है। इस गंभीर वैश्विक चुनौती के बीच सम्मेलन से दुनिया को उम्मीद है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस और प्रभावी फैसले लिए जाएंगे। तुर्की को आधुनिक और पर्यावरण-सचेत देश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वह इस सम्मेलन का आधिकारिक मेजबान है। लेकिन सवाल यह है कि क्या टिकाऊ विकास और जलवायु परिवर्तन को कम करने की राह इतनी आसान होगी? क्या दुनिया के विकसित और विकासशील देश अपने आर्थिक हितों से ऊपर उठकर पृथ्वी के भविष्य के लिए साझा जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं?यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विभिन्न देशों और क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर बातचीत, सहयोग और निर्णय प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है।कोप - 31 महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि इसमें वैश्विक जलवायु कार्यवाही को तेज करने, देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा पूरी दुनिया में जलवायु न्याय, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास को आगे बढ़ाने पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।यह ऐसा सम्मेलन है जहां देशों को अपने जलवायु लक्ष्यों पर कठोर और ठोस निर्णय लेने होंगे। पेरिस समझौते (2015) के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल वादों और घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके परिणाम जमीन पर दिखाई देने चाहिए।कार्बन उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है। दुनिया ने वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का वादा किया था, लेकिन मौजूदा नीतियों और उत्सर्जन की गति के कारण विश्व 2.4 से 2.8 डिग्री सेल्सियस तक तापमान वृद्धि की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में देशों पर नए और अधिक कठोर राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्य घोषित करने का दबाव बनेगा। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से चरणबद्ध तरीके से बाहर निकलने की स्पष्ट समय-सीमा तय करने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण मुद्दा होगी। इसके साथ ही भारत, ब्राजील, अफ्रीकी देशों और छोटे द्वीपीय देशों जैसे विकासशील राष्ट्रों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर भी गंभीर निर्णय लेने होंगे।भारत के लिए कोप -31 केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नहीं है, बल्कि अपने पर्यावरणीय भविष्य और विकास की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर भी है। भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसकी ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। एक ओर देश औद्योगिक विकास, शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभाव भी झेल रहा है।भारत में बढ़ती गर्मी, भीषण लू, अनियमित मानसून, कम समय में अत्यधिक बारिश, बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी घटनाएं जलवायु संकट की गंभीरता को उजागर कर रही है। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का पिघलना, नदियों के जल प्रवाह में बदलाव और समुद्र के बढ़ते जलस्तर से तटीय क्षेत्रों पर खतरा बढ़ रहा है। इसका सीधा असर कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ रहा है।भारत की बड़ी आबादी कृषि और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है। विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों का जीवन जंगल, जमीन, नदियों और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण जंगलों में आग, जलस्रोतों का सूखना, जैव विविधता का नुकसान और खेती की उत्पादकता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसलिए भारत की जलवायु नीति में इन समुदायों के पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।भारत ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्यवाही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। लेकिन दूसरी ओर कोयला आधारित बिजली उत्पादन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। विकास के नाम पर नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, बड़े बांधों, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते समय उनके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन जरूरी है। केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना ही विकास का पैमाना नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि ऊर्जा उत्पादन की कीमत कौन चुका रहा है और उसका लाभ किसे मिल रहा है।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में ऊर्जा नीति का आधार विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा होना चाहिए। गांवों, पंचायतों और स्थानीय समुदायों को सौर ऊर्जा उत्पादन से जोड़ना, कृषि में स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना, ऊर्जा भंडारण की व्यवस्था विकसित करना और बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत करना समय की मांग है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर आदिवासी क्षेत्रों के जंगलों, कृषि भूमि और सामुदायिक संसाधनों का अधिग्रहण भी स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। स्वच्छ ऊर्जा का विकास तभी न्यायपूर्ण कहा जा सकता है, जब उससे स्थानीय समुदायों के अधिकारों और आजीविका की रक्षा हो। कोप -31 में भारत की भूमिका केवल अपने राष्ट्रीय हितों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भारत को विकासशील देशों की उस मांग को मजबूती से उठाना चाहिए कि जलवायु संकट के लिए ऐतिहासिक रूप से अधिक जिम्मेदार विकसित देश अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें और विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित वे समुदाय हैं, जिनका वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है। अफ्रीका के गरीब देश, छोटे द्वीपीय राष्ट्र, एशिया के किसान, मछुआरे, आदिवासी और वनवासी समुदाय इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

भारत-पाक राजनीतिक संबंध सुधारने का आ गया समय?



डॉ हिदायत अहमद खान

दुनियां के प्रमुख शक्तिशाली देशों में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों ने विकासशील देशों के लिए चेतावनी देने का काम किया है। एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यावधि चुनाव में करारी हार को लेकर चर्चाएं आम हैं वहीं दूसरी तरफ इजरायल में नेतन्याहू को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने से साफ संदेश दुनिया को मिला है कि आमजनता हिंसा और युद्ध में विश्वास नहीं करती है। इससे पहले बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों की सरकारों को तो युवाओं ने ही आंदोलन के जरिये बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मतलब साफ है सभी देशों के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ ही देश में सुख-शांतिपूर्ण वाला विकास चाहिए। भौगोलिक सीमाओं से परे सभी शांति चाहते हैं, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं ऐसा करने में बैरियर्स बनती हैं। भारत और पाकिस्तान का ही उदाहरण ले लें। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक मुश्किलों की दो तस्वीरें इन दिनों सामने हैं। पाकिस्तान की ओर से अपना हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण एयर इंडिया के परिचालन पर पड़ रहे असर का हवाला देते हुए कंपनी के सीईओ टेवोल्डे नुकसान का हिसाब गिना रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में पाक-भारत बिजनेस काउंसिल के चेयरमैन नूर मोहम्मद कसूरी भारत के साथ व्यापार बंद होने से अपने देश को हुए करीब 40 अरब डॉलर के नुकसान का दावा करते हुए कारोबार बहाल करने की भावुक अपील कर रहे हैं। इन दोनों बयानों के बीच एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर दोनों देशों के बीच तनाव की कीमत कब तक आम लोगों, कारोबारियों और अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ेगी?

एयर इंडिया के सीईओ का कहना है कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण कंपनी को अपने उड़ान मार्गों और नेटवर्क की योजना बदलनी पड़ रही है। उनके मुताबिक, इस समस्या से कंपनी के प्रतिस्पर्धी विमानन समूह प्रभावित नहीं हैं। यानी एक ही क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियां भी समान नहीं रह गई हैं। इसके अलावा पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और ईंधन की कीमतों में पिछले साल के मुकाबले दोगुने से अधिक वृद्धि ने विमानन उद्योग की मुश्किलें बढ़ाई हैं। एयर इंडिया इसे अल्पकालिक चुनौती मानते हुए भविष्य में मजबूती से उभरने की बात कर रही है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं रहता। इसका बोझ अंततः परिचालन लागत, टिकट की कीमतों और यात्रियों पर भी पड़ सकता है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के कारोबारी जगत से उठ रही आवाज भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। नूर मोहम्मद कसूरी का दावा है कि भारत के साथ व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को लगभग 40 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा और व्यापारिक संबंधों पर रोक लग गई। इसके बाद पाकिस्तान के कारोबारियों को कच्चे माल और जरूरी वस्तुओं के लिए दूरस्थ देशों का रुख करना पड़ा। ब्राजील, चीन, मिस्र और अमेरिका जैसे देशों से आयात करने के कारण परिवहन खर्च बढ़ा और आपूर्ति में अधिक समय लगने लगा। इसका सीधा असर उत्पादन लागत और उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर पड़ा।

कसूरी ने पाकिस्तान के दवा और कपड़ा उद्योगों का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत से कच्चे माल की आपूर्ति बहाल होने पर दवा उद्योग सालाना दो से तीन अरब डॉलर बचा सकता है। कपड़ा उद्योग को कपास की आपूर्ति के लिए दूर के बाजारों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त खर्च बढ़ा है। चीनी, खाद्य पदार्थ, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, लोहा-स्टील, सब्जियां और भारी मशीनरी जैसी वस्तुओं के मामले में भी भारत की भौगोलिक निकटता पाकिस्तान के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी हो सकती है। कसूरी की अपील का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि वे अपनी सरकार से घरेलू कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतर कृषि नीतियां बनाने की मांग कर रहे हैं। इससे जाहिर होता है कि व्यापार बहाली के साथ घरेलू आर्थिक कमजोरियों को दूर करना भी जरूरी है।

हालांकि, यह समझना होगा कि भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार केवल आर्थिक गणित का मामला नहीं है। आतंकवाद, सीमा पार हिंसा और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भारत के लिए गंभीर मुद्दे हैं। इनकी अनदेखी करके सामान्य कारोबारी संबंधों की बहाली की मांग करना व्यावहारिक नहीं होगा। किसी भी पड़ोसी देश के साथ आर्थिक रिश्तों का आधार भरोसा और स्थिरता ही हो सकते हैं। भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान किए बिना व्यापार बहाली की अपेक्षा करना भी उचित नहीं है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव का असर व्यापार, परिवहन, उद्योग और आम नागरिकों पर पड़ता है।

कसूरी ने श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भारत की सहायता का उदाहरण देकर पड़ोसियों के बीच सहयोग की जरूरत रेखांकित की है। उन्होंने निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों के विस्तार की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। दोनों देशों के बीच धार्मिक, ऐतिहासिक और पारिवारिक रिश्तों की मौजूदगी इस संभावना को और महत्वपूर्ण बनाती है। लेकिन सद्भावना की अपील तभी परिणाम दे सकती है, जब उसके साथ आतंकवाद और सुरक्षा के सवालों पर ठोस प्रगति भी हो। विडंबना यह है कि एक ओर पाकिस्तान का कारोबारी नेतृत्व भारत से व्यापार बहाली की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर एयर इंडिया का प्रमुख हवाई क्षेत्र बंद होने से हो रहे नुकसान की बात कर रहा है। दोनों स्थितियां बताती हैं कि भौगोलिक निकटता और आर्थिक परस्पर निर्भरता को लंबे समय तक राजनीतिक तनाव से अलग नहीं रखा जा सकता। सवाल यह नहीं कि किस देश को कितना नुकसान हुआ, बल्कि यह है कि इस नुकसान को रोकने के लिए भरोसे और सुरक्षा का वातावरण कैसे बनाया जाए। भारत-पाकिस्तान संबंधों में स्थायी सुधार का रास्ता भावुक अपीलों से नहीं, बल्कि आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई, जिम्मेदार कूटनीति और पारस्परिक विश्वास से होकर ही निकलेगा। बहरहाल अब समय आ गया है कि दोनों देशों के लीडर संबंध सुधारने की दिशा में बातचीत के रास्ते खोलें। इसके साथ ही आतंकवाद खत्म करने और साझा-विकास का मार्ग प्रशस्त करें। राजनीति से परे दोनों ही देशों की आमजनता तो कम से कम यही चाहती है।

24 कोसीय परिक्रमा यात्रा को लेकर एसपी ने किया क्षेमनाथ तीर्थ का निरीक्षण



संभल (सब का सपना):- जनपद में आगामी 13 नवंबर को प्रस्तावित 24 कोसीय परिक्रमा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक संभल विकास चंद्र त्रिपाठी ने कोतवाली संभल क्षेत्रांतर्गत स्थित श्री क्षेमनाथ तीर्थ का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परिक्रमा मार्ग, प्रमुख स्थलों, श्रद्धालुओं के आवागमन, यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही सुगम आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं।

एसपी ने निर्देशित किया कि परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के साथ ही भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन की प्रभावी योजना तैयार की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और यात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

एक ही घर में मिले तीन जहरीले रसल वाइपर सांप, गांव में मचा हड़कंप

स्नेक रेस्क्यू टीम ने तीनों सांपों को सुरक्षित पकड़ा, जंगल में छोड़ा



बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड बहजोई क्षेत्र के गांव रघुनाथपुर में रविवार दोपहर एक ही घर में तीन जहरीले रसल वाइपर सांप मिलने से हड़कंप मच गया। एक साथ तीन सांप देखकर परिवार के लोगों में दहशत फैल गई। वहीं जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब तीन बजे रघुनाथपुर निवासी जयपाल के घर में तीन जहरीले रसल वाइपर सांप दिखाई दिए। सांपों को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और उन्होंने तत्काल स्नेक रेस्क्यू करने वाले जाबुल को सूचना दी। सूचना मिलते ही जाबुल मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

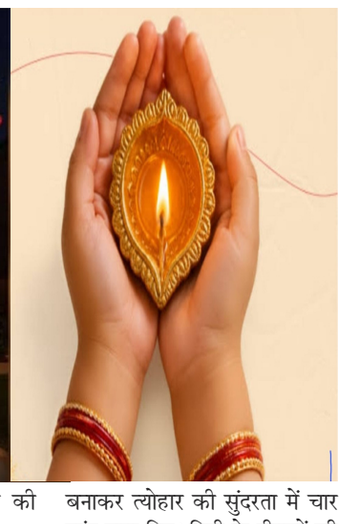
काफी मशक्कत के बाद उन्होंने तीनों सांपों को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें आबादी से दूर जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। तीनों सांपों के पकड़े जाने के बाद परिवार और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। एक ही घर में तीन जहरीले सांप मिलने की घटना पूरे गांव में चर्चा का विषय बनी रही।

स्नेक रेस्क्यू करने वाले जाबुल ने लोगों से अपील की कि घर या आसपास सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। तत्काल प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यूअर को सूचना दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

दीपों की रोशनी से जगमगाया बहजोई, हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई गई दीपावली

घरों से लेकर बाजारों तक दिखाई दी त्योहार की रौनक, रंग-बिरंगी झालरों और दीपों से सजे मकान व प्रतिष्ठान





बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में रविवार को दीपावली का पावन पर्व हर्षोल्लास, उमंग और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर में दीपावली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई कर आकर्षक ढंग से सजावट की। शाम होते ही पूरा नगर रंग-बिरंगी विद्युत झालरों और दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। बाजारों से लेकर गली-मोहल्लों तक दीपावली की रौनक देखते ही बन रही थी।

दीपावली के अवसर पर लोगों ने अपने घरों में विधि-विधान के साथ भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। परिवार के सभी सदस्यों ने एकत्र होकर सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद घरों के मुख्य द्वार, आंगन, छतों और प्रतिष्ठानों पर दीपक जलाए गए। महिलाओं और बच्चों ने घरों के बाहर आकर्षक रंगोलियां बनाकर त्योहार की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। मिट्टी के दीपकों की रोशनी और रंग-बिरंगी सजावट से नगर का माहौल बेहद आकर्षक नजर आया।

नगर के मुख्य बाजारों में भी दीपावली की विशेष रौनक देखने को मिली। दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों को फूलों और विद्युत झालरों से सजाया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां, उपहार और शुभकामनाएं देकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। मिठाई, खील-बताशे, पूजा सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर भी लोगों की आवाजाही दिखाई दी। बच्चों और युवाओं में दीपावली को लेकर विशेष उत्साह रहा। उन्होंने परिवार के साथ आतिशबाजी कर पर्व का आनंद लिया।

वहीं, लोगों ने अपने परिचितों, रिश्तेदारों और मित्रों के घर पहुंचकर दीपावली की बधाई दी। सोशल मीडिया पर भी शुभकामना संदेशों का सिलसिला जारी रहा। कई स्थानों पर लोगों ने जरूरतमंदों को मिठाइयां और उपहार देकर पर्व की खुशियां बांटीं।

दीपावली के इस पावन अवसर पर बहजोई नगर में चारों ओर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। देर रात तक घरों और बाजारों में रोशनी तथा आतिशबाजी की चमक दिखाई देती रही। दीपावली का पर्व लोगों को अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की जीत का संदेश देता नजर आया। पूरे नगर में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ दीपावली का त्योहार मनाया गया।

जमीन के लालच में भाई बना भाई का कातिल, दो बेटों संग मिलकर की मां-बेटे की हत्या

हादसे का रूप देने के लिए शवों के ऊपर पलटा ई-रिक्शा, दो महीने बाद बहजोई पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा





बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम करीमपुर में मां-बेटे की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जमीन के विवाद में सगे भाई ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर राकेश और उसकी मां नैक्सी की तकिये से मुंह दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या को सड़क हादसे का रूप देने के लिए दोनों के शव ई-रिक्शा में रखकर सड़क पर डाल दिए गए और ऊपर से ई-रिक्शा पलट दिया गया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा, हत्या में इस्तेमाल तकिया और मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, 7 नवंबर को पीड़िता विमला पत्नी स्वर्गीय राकेश निवासी ग्राम करीमपुर ने थाना बहजोई में लिखित तहरीर देकर अपने जेठ किशनपाल पुत्र जगतपाल और जेठ के बेटों अमित उर्फ मिंटू तथा संजीव पर अपने पति राकेश और सास नैक्सी की हत्या करने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। घटना के शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। तकनीकी और मैनुअल साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने रविवार दोपहर संभल रोड पर ग्राम परतापुर स्थित यात्री शेड के पास से तीनों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि राकेश और उसके भाई किशनपाल के नाम करीब 30 बीघा जमीन थी। आरोप है कि राकेश के नाबालिग रहने के दौरान किशनपाल ने उसके हिस्से की 13 बीघा जमीन बेच दी थी। इसके बाद बची हुई करीब आठ बीघा जमीन पर भी किशनपाल और उसके बेटे संजीव व अमित कब्जा करना चाहते थे। राकेश ने अलीगढ़ में रहने के दौरान विमला से शादी कर ली थी और उनकी एक बेटी भी थी। राकेश अपनी संपत्ति बेचकर पत्नी के साथ अलीगढ़ में रहना चाहता था, जबकि उसकी मां नैक्सी भी उसका समर्थन कर रही थी।

पुलिस के अनुसार, राकेश ने अपनी एक बीघा जमीन गांव के ही रामभरोसे पुत्र रामचंद्र को छह लाख रुपये में बेचने का सौदा तय किया था। इसके लिए दो लाख रुपये बयाने के तौर पर भी ले लिए थे। आरोप है कि किशनपाल ने अपने रिश्तेदारों के माध्यम से दबाव बनवाकर यह रकम वापस करा दी थी। जमीन को लेकर लगातार बढ़ रहे विवाद और रंजिश के चलते आरोपियों ने हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के मुताबिक, 10 सितंबर की रात किशनपाल ने अपने दोनों बेटों अमित उर्फ मिंटू और संजीव के साथ मिलकर राकेश और अपनी मां नैक्सी की तकिये से मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए अमित और संजीव दोनों शवों को राकेश के ई-रिक्शा में रखकर भवन गांव के नजदीक जियो पेट्रोल पंप के पास बहजोई-संभल मार्ग पर ले गए। उनके पीछे किशनपाल मोटरसाइकिल से पहुंचा। तीनों ने शवों को सड़क पर डालकर उनके ऊपर ई-रिक्शा पलट दिया, जिससे घटना दुर्घटना प्रतीत हो।

इसके बाद तीनों आरोपी मोटरसाइकिल से वापस चले गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने राकेश की पत्नी विमला को सूचना दिए बिना ही राकेश और नैक्सी का अंतिम संस्कार भी कर दिया था। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों किशनपाल (50 वर्ष), अमित उर्फ मिंटू (28 वर्ष) और संजीव (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर ई-रिक्शा, हत्या में प्रयुक्त तकिया और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गुड्डू प्लाईवुड ने दीपावली उत्सव पर मिस्त्रियों को किया सम्मानित

एक शाम मिस्त्रियों के नाम कार्यक्रम में उमड़ा उत्साह, करीब 150 लोगों ने की शिरकत, उपहार देकर बढ़ाया सहयोगियों का हौसला





संभल (सब का सपना):- दीपावली के पावन पर्व पर गुड्डू प्लाईवुड की ओर से दीपावली उत्सव एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। नगर के पन्जू सराय स्थित गुड्डू प्लाईवुड पर आयोजित एक शाम मिस्त्रियों के नाम कार्यक्रम में करीब 150 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिष्ठान से जुड़े मिस्त्री भाइयों को दीपावली के उपहार देकर सम्मानित किया गया और उनके योगदान की सराहना की गई।

कार्यक्रम में गुड्डू प्लाईवुड के ऑनर डॉ. अजीज उल्ला ने सभी मिस्त्री भाइयों को अपने हाथों से दीपावली के उपहार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मिस्त्री भाई प्रतिष्ठान की सफलता और विश्वास का अहम हिस्सा हैं। उनके सहयोग और मेहनत से ही व्यापारिक संबंध मजबूत होते हैं। उन्होंने सभी से भविष्य में भी इसी तरह आपसी सहयोग और विश्वास बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान फहीम साकिब ने कहा कि गुड्डू प्लाईवुड एक विश्वसनीय प्रतिष्ठान है, जहां ग्राहकों को उचित दामों पर अच्छी सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। वसीम अख्तर ने कहा कि गुड्डू प्लाईवुड वर्षों से जनता के बीच अपनी सेवाएं दे रहा है और लोगों का विश्वास बनाए हुए है। अतीकुर्रहमान ने कहा कि गुड्डू प्लाईवुड ग्राहकों की पहली पसंद बन चुका है।

वहीं, फुरकान मंसूरी एडवोकेट ने कहा कि गुड्डू प्लाईवुड ने बेहतरीन गुणवत्ता वाली सामग्री उपलब्ध कराकर बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई है। मिस्त्री मोहम्मद कासिम ने कहा कि गुड्डू प्लाईवुड और मिस्त्री भाइयों के बीच वर्षों से अटूट रिश्ता बना हुआ है। इस तरह के आयोजन आपसी प्रेम, सम्मान और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में मौ. वसीम अख्तर, फहीम साकिब, अतीकुर्रहमान, फुरकान मंसूरी एडवोकेट, मौ. खालिद, मौ. शाकिर, गौ. उस्मान, योगेश कुमार, डम्पी सिंह यादव, मौ. कासिम, मौ. नफीस, मौ. इदरीस, मौ. शकील, मेहराजुद्दीन, मौ. इरफान सरायतरीन, एहसान, यामीन मिस्त्री, इरफान सिरसी, आलम मंडी, अरकान रुकनुद्दीन सराय, वसीम मंडी और फुरकान मंडलाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक पर जैन मंदिर में चढ़ाए निर्वाण लड्डू

दीपावली पर भक्ति और श्रद्धा के साथ हुआ पूजन-अभिषेक, दीपोत्सव में झलकी आध्यात्मिक आस्था



बहजोई/संभल (सब का सपना):- भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक दिवस एवं दीपावली के पावन अवसर पर सोमवार को गोलागंज स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में दिगंबर जैन सभा के तत्वावधान में भव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान महावीर के जयकारों, पूजन-अर्चन और दीपों की रोशनी से जगमगा उठा।

कार्यक्रम में भगवान महावीर स्वामी के पांचों कल्याणकों के प्रतीक स्वरूप लड्डू अर्पित किए गए। मंदिर में भगवान महावीर स्वामी, मूलनायक भगवान चंद्रप्रभु, निर्वाण क्षेत्र एवं गौतम गणधर स्वामी का विशेष पूजन और अभिषेक किया गया। प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य रिवान जैन, काविश जैन और विधान जैन को प्राप्त हुआ। वहीं मीतेश जैन व अंशुल जैन आढ़ती पुण्यार्जक परिवार में शामिल रहे।

पांचों कल्याणकों के प्रथम लड्डू अर्पण करने का सौभाग्य अलग-अलग श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सभा के महामंत्री सम्भव जैन ने भगवान महावीर के निर्वाण दिवस पर दीपावली मनाने की जैन परंपरा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि कार्तिक कृष्ण अमावस्या की गोधूलि बेला में भगवान महावीर स्वामी ने निर्वाण प्राप्त किया था। उसी रात उनके प्रथम गणधर गौतम स्वामी को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसलिए जैन समाज के लिए दीपावली का पर्व विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

उन्होंने कहा कि दीपावली केवल बाहरी प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि आत्मा से अज्ञान रूपी अंधकार दूर कर ज्ञान, संयम और आत्मजागरण की प्रेरणा देने वाला पर्व है। भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और संयम के सिद्धांत आज भी समाज को शांति, सद्भाव और समरसता का संदेश देते हैं।

आयोजन में समाज के महिला-पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सामूहिक आरती के बाद रात्रि में दीपोत्सव और भक्तिमय संगीत का आयोजन हुआ। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को दीपावली एवं नववर्ष वीर निर्वाण संवत 2553 की शुभकामनाएं दीं।

गाजियाबाद क्रॉसिंग रिपब्लिक फ्लैट में भीषण आग, दमकलकर्मियों ने बीए सेट से बुझाई



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित जीएच-7 सोसायटी के टावर नंबर सात की दसवीं मंजिल पर रविवार रात एक बंद फ्लैट में भीषण आग लग गई। फ्लैट के अंदर आग की लपटों के साथ अत्यधिक धुआं भर गया।

सूचना पर क्रासिंग रिपब्लिक और कोतवाली अग्निशमन केंद्र से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता और धुएं को देखते हुए वैशाली अग्निशमन केंद्र से हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी बुलाया गया।

दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब पौन घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फ्लैट में रखा घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में दमकल टीम ने मौके पर पहुंचते ही आग बुझाने का अभियान शुरू किया। 10वीं मंजिल स्थित साकेत जैन के फ्लैट में रात आठ बजे आग की सूचना मिली।

घटना के समय स्वजन अलवर गए हुए थे। सोसायटी के लोगों ने बालकनी से आग लगी देख दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने अंदर धुआं होने के कारण श्वसन सुरक्षा उपकरण (बीए सेट) पहनकर फ्लैट के अंदर प्रवेश किया।

टीम ने सोसायटी में लगी अग्निशमन प्रणाली का भी प्रभावी इस्तेमाल किया। काफी प्रयास के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। दमकल विभाग की कार्रवाई से आग को आसपास के फ्लैटों और इमारत के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक लिया गया। इस दौरान दमकलकर्मियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए फ्लैट में रखे एक्वेरियम से एक मछली को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इससे उसकी जान बच गई।

योगी सरकार का संकल्प साकार, राजकीय तिगरी मेले में 1.89 करोड़ से बिछा 22 किमी अस्थायी मार्गों का संजाल, व्यवस्थाएं पूरी तरह सुगम



अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अमरोहा के ऐतिहासिक 'राजकीय गंगा मेला तिगरी वर्ष 2026' को भव्य, दिव्य और सुरक्षित स्वरूप देने के लिए किए जा रहे सभी प्रमुख कार्य लगभग पूरे कर लिए गए हैं। 15 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस विशाल मेले के लिए धरातल पर व्यवस्थाएं पूरी तरह सुगम बना दी गई हैं, जिससे 24 नवंबर के मुख्य स्नान पर्व पर उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। योगी सरकार की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग को मिले 189.89 लाख रुपये (लगभग 1.90 करोड़ रुपये) के बजट से मेला क्षेत्र में 22 किलोमीटर लंबे विभिन्न श्रेणियों के अस्थायी मार्गों का निर्माण कार्य पूरा करा लिया गया है। 10 अलग-अलग चौड़ाई के रास्तों का संजाल बिछाकर पूरे मेला क्षेत्र को सुगम बना दिया गया है, जबकि बचे हुए व्यवस्थागत कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। योगी सरकार की सुदृढ़ भीड़ नियंत्रण रणनीति के तहत मेला क्षेत्र में मार्गों का स्पष्ट और व्यावहारिक वर्गीकरण पूरी तरह तैयार है। टेंट सिटी तक आने-जाने वाले विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग से वीआईपी रोड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं आम जनमानस और पैदल श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए ट्रैक्टर रोड, सदर रोड, न्यू गंगा रोड और गंगा रोड को आवागमन के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया गया है। पैदल और वाहनों के रास्ते अलग होने से स्नान पर्वों के दौरान बिना किसी अवरोध के लाखों श्रद्धालु सुरक्षित आवाजाही कर सकेंगे। जिलाधिकारी अमरोहा के निदेर्शानुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा मेले के साइट प्लान, समस्त 22 किमी अस्थायी मार्गों के निर्माण, मचान, बैरियर, बैरिकेडिंग, साइनेज बोर्ड, टिन फेंसिंग तथा डगरबेलिंग व समतलीकरण के कार्यों को तेजी से पूरा कर लिया गया है। 189.89 लाख रुपये की लागत से कराए गए इन कार्यों की बदौलत रेत के विशाल मैदान को सुगम संपर्क तंत्र में बदल दिया गया है, जिससे मेले का स्वरूप भव्य नजर आ रहा है। मेले में रात के समय आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी प्रमुख मार्गों पर रिफ्लेक्टिव साइनेज (परावर्तक बोर्ड) और दिशा-सूचक स्थापित कर दिए गए हैं। अंधेरा होने पर भी ये साइनेज दूर से चमककर श्रद्धालुओं को सही दिशा दिखा रहे हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण व शहरी श्रद्धालुओं को टेंट सिटी, शिविरों और स्नान घाटों तक पहुंचने में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। गंगा के कछार में मौसम के बदलाव या नदी के जलस्तर में संभावित वृद्धि की आशंका को देखते हुए वैकल्पिक इंजीनियरिंग इंतजाम पूरी तरह सक्रिय कर लिए गए हैं। बारिश या जलस्तर बढ़ने पर रास्तों को कीचड़ और धंसन से बचाने के लिए चेकर्ड प्लेट्स बिछाने और अतिरिक्त काँस पुलों के उपयोग की ठोस व्यवस्था मुकम्मल है, जिससे रेतीली जमीन पर भी वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही निरंतर बनी रहेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च वरीयता देते हुए गंगा नदी के कटान वाले संवेदनशील स्थानों पर जिला पंचायत द्वारा फेंसिंग का कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि कोई भी अनजाने में गहरे पानी की ओर न जाए। इसके अलावा मुख्य मार्गों पर बैरियर व बैरिकेडिंग लगा दी गई है और पूरे मेला क्षेत्र पर 24 घंटे पैनी नजर रखने के लिए ऊंचे वॉच टॉवर्स भी स्थापित कर दिए गए हैं। राजकीय तिगरी मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और सुगम आवागमन देना हमारी प्राथमिकता है। 189.89 लाख रुपये के बजट से 22 किमी अस्थायी मार्गों, बैरिकेडिंग और समतलीकरण का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। जलस्तर बढ़ने पर चेकर्ड प्लेट्स और काँस पुलों की पुख्ता व्यवस्था है। हमारी टीमें धरातल पर लगातार मुस्तैद हैं।"

दीपावली पर गावों में गूंजा जल संरक्षण का संदेश, ग्रामीणों ने लिया मेरा गांव, मेरा जल का संकल्प

अमरोहा (सब का सपना):- दीपावली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) की पहल पर जनपद (अमरोहा) के विभिन्न गांवों में जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न गावों के ग्रामीणों ने सामुदायिक रंगोली निर्माण, दीप प्रज्ज्वलन और 'मेरा गांव, मेरा जल' संकल्प कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। अभियान का उद्देश्य दीपावली के उत्सव को जल संरक्षण के संकल्प से जोड़ते हुए ग्रामीण समुदाय को पानी की प्रत्येक बूंद के महत्व, स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता और जल के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के तहत गांवों में स्थानीय नागरिकों ने जल संरक्षण एवं स्वच्छ जल की थीम पर आकर्षक सामुदायिक रंगोलियां बनाईं। रंगोलियों के माध्यम से पानी बचाने, जल स्त्रोतों को संरक्षित रखने और स्वच्छ पेयजल के महत्व का संदेश दिया गया। इसके साथ ही आयोजित 'मेरा गांव, मेरा जल' संकल्प कार्यक्रम में ग्रामीणों ने जल की बबार्दी रोकने, जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखने और पानी का जिम्मेदारी से उपयोग करने का संकल्प लिया।

दीपावली के अवसर पर आयोजित दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में भी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दीपों की रोशनी के साथ स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

इस अवसर पर लोगों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं पानी की बबार्दी रोकेंगे और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। जिले के तोहफापुर और कूड़ामाफी सहित अन्य गावों में यह आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) की इस पहल के माध्यम से दीपावली के उल्लास को स्वच्छ जल, जल संरक्षण और सामुदायिक जिम्मेदारी के संदेश से जोड़ा गया। अभियान ने ग्रामीणों को यह संदेश दिया कि जिस प्रकार दीपावली पर हर घर रोशन होता है, उसी प्रकार हर घर तक स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और जल की प्रत्येक बूंद को सहेजना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वृद्धाश्रम में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, बुजुर्गों को बताए कानूनी अधिकार



अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 09 नवंबर 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव श्री अभिषेक कुमार व्यास (CJSD) के निदेर्शानुसार वृद्धाश्रम, अमरोहा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, संरक्षण एवं निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के महत्व एवं इसके उद्देश्यों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना विधिक सेवा प्राधिकरण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

इस अवसर पर माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, भरण-पोषण के अधिकार, संपत्ति संबंधी अधिकार एवं वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त कानूनी संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए 'समस्या से समाधान' खेल गतिविधि भी कराई गई।

इस गतिविधि के माध्यम से दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को साझा करने, उनके समाधान तलाशने तथा उपलब्ध कानूनी सहायता और अधिकारों को समझने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही बताया गया कि किसी भी कानूनी समस्या अथवा अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में अधिकार मित्र लोकमान सिंह, डॉ. प्रथम सिंह, परवीन सिंह,प्रीति , मोनिका जी महेश सिंह एवं संध्या सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा एवं न्यायपूर्ण जीवन का संदेश दिया गया।

विपिन सागर को क्षेत्रीय महामंत्री बनने पर अभिषेक कौशिक ने पटका पहनाकर दी बधाई



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को गजरौला के हाइवे पर मुख्यमंत्री के पूर्व मे डरऊ रहे अभिषेक कौशिक ने क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिम क्षेत्र एससी मोर्चा बनने पर पटका पहनाकर स्वागत किया इस अवसर पर नरेंद्र धारीवाल, नितिन चौहान,शुभम चौधरी, पियूष चौधरी,अंकित शर्मा, सचिन कौशिक, आकाश यादव, सुशील सैनी, योगेश चौधरी, हेमंत सारस्वत राहुल शर्मा, राहुल राणा,आदि परिषद के पूर्व साथी मौजूद रहे। बता दें कि जमीनी छात्र राजनीति से निकलकर भारतीय जनता पार्टी के मुख्य संगठन में मजबूत पहचान बनाने वाले विपिन सागर को संगठन ने एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। अमरोहा जनपद के गजरौला निवासी और पूर्व विधायक हरपाल सिंह के भतीजे विपिन सागर को पश्चिम यूपी भाजपा एससी मोर्चा का क्षेत्रीय महामंत्री बनाया गया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) में एक बड़ा कद रखने वाले विपिन सागर की इस नियुक्ति से क्षेत्र के युवाओं और परिषद के पूर्व कार्यकताओं में भारी उत्साह है। मूल रूप से जिला अमरोहा के गजरौला के रहने वाले विपिन सागर ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) से की थी। छात्र हितों की लड़ाई लड़ते हुए उन्होंने संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया और देखते ही देखते परिषद के भीतर एक कद्दावर युवा चेहरे के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। छात्र राजनीति के दौरान उनके कुशल नेतृत्व और सांगठनिक क्षमता को देखते हुए ही उन्हें आगे चलकर मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश मिला। विपिन सागर पूर्व विधायक हरपाल सिंह के भतीजे हैं, जिससे उन्हें राजनीति की समझ विरासत में मिली। हालांकि, उन्होंने केवल पारिवारिक पृष्ठभूमि पर निर्भर न रहकर जमीन पर पसीना बहाया। दलित, शोषित और वंचित समाज के हकों की आवाज उठाने और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनकी कर्मठता, युवाओं के बीच मजबूत पकड़ और पुरानी सांगठनिक निष्ठा को देखते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें एससी मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री पद की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अपनी इस नई भूमिका पर विपिन सागर का कहना है कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपाइयों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है।

गौकशी के मुकदमे में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी अभियुक्त मौहसिन पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

पैर में लगी गोली, अवैध तमंचा कारतूस व मोटरसाइकिल बरामद



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना अमरोहा नगर पुलिस द्वारा गौकशी के मुकदमे में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त मौहसिन पुत्र शरीफ निवासी मौहल्ला लकड़ा, थाना अमरोहा नगर, जनपद अमरोहा को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया।

सोमवार को प्रभारी निरीक्षक चन्द्र प्रकाश शुक्ल मय पुलिस टीम क्षेत्र में शांति व्यवस्था, रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि 07 नबंबर की रात्रि को हुई गौकशी की घटना में नामजद 08 अभियुक्तों में से वांछित अभियुक्त मौहसिन अकबरपुर पट्टी से वासुदेव मंदिर की ओर जाने वाले जटीवन रास्ते पर आने वाला है सूचना पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर चेकिंग शुरू की।

इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगा। मोटरसाइकिल फिसलने पर अभियुक्त ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त मौहसिन के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त थाना अमरोहा नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 401/2026 धारा 3/5/8 सीएस एक्ट में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

स्टार्स टैलेंट सर्च टेस्ट के प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित



सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- अल बाकिर एजुकेशनल कमेटी सैदनगली द्वारा स्टार्स टैलेंट सर्च नामक शीर्षक से एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6, 7 व 8 के बच्चों ने हिस्सा लिया। सर्वप्रथम एम.बी. जूनियर हाई स्कूल में परीक्षा आयोजित की गई। इमामबारगाह पीर जी मुस्तकीम अली पर सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसका आगाज मौलाना कम्बर अली ने हदीसे किसा की तिलावत से किया। नाते रसूल रियाजुल हसन ने पढ़ी। अम्मार हैदर रिजवी ने इल्म के सिलसिले से नज्म पेश की। डॉ. कैसर हुसैन, डॉ. फरमान हैदर, खलीक हैदर, मुहम्मद मेहदी आदि वक्ताओं ने शिक्षा व ज्ञान पर अपने विचार व्यक्त कर बच्चों को तालीम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अली हैदर रिजवी ने किया। इस परीक्षा में प्रथम स्थान मुहम्मद फरहान, द्वितीय स्थान अदनान व तृतीय स्थान असमा जेहरा ने प्राप्त किया। इन तीनों टॉपर्स को शील्ड, मेडल आदि देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खादिम मेहदी बाकरी, हैदर रजा, मुजम्मिल हुसैन रिजवी, अदील हैदर, अजादार हुसैन, शुऐब रजा, गाजी अब्बास, नसीरुल हसन, तनवीर अब्बास, हसन मेहदी आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर, बिहार रूट की ट्रेनों में खचाखच भीड़, सीट के लिए मारामारी; खड़े होकर करनी पड़ी यात्रा

एजेंसी



वाराणसी। दीपावली के बाद गोरखपुर और बिहार रूट की ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जनरल और स्लीपर कोच खचाखच भरे होने से सीट के लिए मारामारी की स्थिति रही। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। दीपावली और छठ के मद्देनजर ट्रेनों में भीड़ का असर रविवार को दीपावली के दिन भी देखने को मिला। कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर बनारस रेलवे स्टेशन और वाराणसी सिटी स्टेशन तक सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर ट्रेनों में भीड़ सबसे अधिक रही। विशेषकर गोरखपुर और बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी रहीं और सीट के लिए मारामारी करनी पड़ी। दो दिन पहले कैंट स्टेशन पर यात्रियों के बीच मारपीट के बाद रविवार को विशेष सतर्कता बरती गई। दीपावली पर दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य जगहों से कोई परिवार के साथ घर लौट रहा है तो बहुत से लोग अकेले यात्रा कर रहे हैं। अब जबकि दीपावली का त्योहार खत्म हो गया है, ऐसे में लोग छठ के लिए घर लौटने लगे हैं। इसी वजह से रविवार को कैंट रेलवे स्टेशन से गोरखपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस और चौरीचौरा एक्सप्रेस के साथ ही बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में भी खूब भीड़ रही। स्थिति यह रही कि ज्यादातर लोगों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। इसी तरह का नजारा बनारस रेलवे स्टेशन पर भी दिखा। इस बीच रेलवे स्टेशन पर आरंपीएफ जवानों के साथ ही जीआरपी की टीम भी मुस्तैद रही। सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों तक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से बार-बार यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से भी की जाती रही। ट्रेनों में यात्रा के समय सावधानी बहुत जरूरी : डीआरएम पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशीष जैन ने यात्रियों से ट्रेन में यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। आशीष जैन ने अपनी अपील में कहा कि यात्रा के दौरान ट्रेनों में ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए। साथ ही ट्रेन की छत पर बैठकर अथवा दरवाजे पर लटककर यात्रा नहीं करनी चाहिए। यात्रियों से अपील है कि स्टेशनों पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल ऊपरीगामी पुल (एफओबी), लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करें।

सीबीएसई बोर्ड: अंग्रेजी के पेपर से पहले सिर्फ एक दिन का गैप, छात्रों की बढ़ी परेशानी

मेरठ। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं के शेड्यूल ने विद्यार्थियों की चिंता बढ़ा दी है। कक्षा 10वीं की डेटशीट के अनुसार, 24 फरवरी को कंप्यूटर एप्लीकेशन, इंफार्मेशन टेक्नोलाजी (आईटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की परीक्षा निर्धारित है, जबकि इसके ठीक दो दिन बाद यानी 26 फरवरी को अंग्रेजी (कम्युनिकेटिव और लैंग्वेज एंड लिटरेचर) का पेपर होना है। दोनों परीक्षाओं के बीच मात्र एक दिन का गैप होने से विद्यार्थियों के सामने पाठ्यक्रम के अंतिम रिवीजन और तैयारी को लेकर परेशानी हो सकती है। सीबीएसई सिटी कोआर्डिनेटर सुधांशु शेखर ने बताया कि बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। कक्षा 10 की परीक्षाएं नौ मार्च तक चलेंगी, जबकि कक्षा 12 की परीक्षाओं का समापन नौ अप्रैल को होगा। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे शुरू होंगी। जिले से करीब 16,500 विद्यार्थी कक्षा 10 और 14,300 विद्यार्थी कक्षा 12 की परीक्षा में शामिल होंगे। एक जनवरी से होंगे प्रैक्टिकल और इंटरनल असेसमेंट सीबीएसई ने कक्षा 10 और 12 के प्रैक्टिकल और इंटरनल असेसमेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। ये परीक्षाएं एक जनवरी से 13 फरवरी 2027 तक आयोजित की जाएंगी। स्कूलों को निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रैक्टिकल और आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।सुधांशु शेखर के अनुसार, बोर्ड ने इस बार परीक्षा कार्यक्रम पहले जारी किया है, ताकि विद्यार्थियों और स्कूलों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। स्कूल अन्य कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम और नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया समय से तय कर सकेंगे। विद्यार्थी भी डेटशीट के अनुसार अपनी पढ़ाई और रिवीजन की योजना बना पाएंगे, जिससे परीक्षा का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्र बनाए गए विद्यालय अपनी नियमित शैक्षणिक गतिविधियों की पहले से योजना बना सकेंगे। बोर्ड ने शिक्षकों की लंबे समय तक अनुपस्थिति से बचने का भी ध्यान रखा है, ताकि स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियां प्रभावित न हों।

39 दिन बाद भी स्थापित नहीं हुई हनुमान जी की प्रतिमा, ग्रामीणों में आक्रोश

नवरात्रों में प्रतिमा स्थापित कराने का पुलिस ने दिया था आश्वासन, अब दोबारा धरना-प्रदर्शन की तैयारी में ग्रामीण





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-बुदकी मार्ग पर खंडित की गई हनुमान जी की प्रतिमा को 39 दिन बीत जाने के बाद भी स्थापित नहीं कराया गया है। पुलिस ने ग्रामीणों को नवरात्रों में नई प्रतिमा विधि-विधान के साथ स्थापित कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बावजूद प्रतिमा स्थापित नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित नहीं कराई गई तो वे दोबारा धरना-प्रदर्शन शुरू कर सकते हैं। मालूम हो कि बीती 4 अक्टूबर की देर रात शरारती तत्वों ने ग्राम मुगलवाला के सामने नगीना-बुदकी मार्ग किनारे स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर खंडित कर दिया था। घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी तथा उसी स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए थे। धरने में गांव की सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल हुए थे।सूचना पर तत्कालीन थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से तहरीर लेकर गांव के ही दो भाइयों को हिरासत में लिया था। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को समझाते हुए आश्वासन दिया था कि पितृपक्ष के चलते तत्काल कोई शुभ कार्य और नई प्रतिमा की स्थापना नहीं की जा सकती। नवरात्रों में हनुमान जी की नई प्रतिमा विधि-विधान से स्थापित करा दी जाएगी। पुलिस के इस आश्वासन पर विश्वास जताते हुए ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त कर दिया था।

बताया जाता है कि हिरासत में लिए गए मस्तराज सिंह और उसके भाई को जमानत पर छोड़े जाने के दौरान खंडित प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। इसके बाद दोनों भाइयों ने हरिद्वार से करीब चार फीट ऊंची हनुमान जी की नई प्रतिमा भी खरीद ली थी। साथ ही पुराने स्थान से पीछे की ओर प्रतिमा स्थल के लिए चारदीवारी और चबूतरे का निर्माण कार्य भी शुरू कराया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि 39 दिन बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है।

चबूतरे का काम जिस स्थिति में शुरू हुआ था, आज भी उसी स्थिति में पड़ा हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब हरिद्वार से हनुमान जी की नई प्रतिमा खरीदी जा चुकी है तो उसे स्थापित कराने में देरी क्यों की जा रही है। प्रतिमा स्थल का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने को लेकर भी ग्रामीणों में तरह-तरह की चचाएं हैं।ग्रामीण कुसुम देवी, सविता, कमला, राधा, अंजलि, नेहा, बबीता, पुष्पा, निर्देश, ज्योति, मूर्ति, माला, रीमा, रीता, जूली, कविता, पूनम, भगवती, मिथिलेश, करन, उमेश, नरेश, सुरेश, कलवा, सुनील कुमार, अजीत, अनिल, विद्यापाल, राम सिंह, तिलकराम सिंह, नरेंद्र शर्मा और संदीप वर्मा आदि का कहना है कि हनुमान जी का यह स्थल गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिमा स्थापित नहीं होने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि थाना प्रभारी द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा कराया जाए और जिन लोगों को प्रतिमा स्थापित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन पर आवश्यक दबाव बनाकर जल्द से जल्द हनुमान जी की प्रतिमा विधि-विधान से स्थापित कराई जाए। अन्यथा ग्रामीण एक बार फिर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

85 पेड़ों की परमिशन की आड़ में सागौन के जंगल पर चला आरा

झलरा में सैकड़ों पेड़ों के कटान का आरोप, बिना मार्किंग काटी गई लकड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर मौके से रवाना





बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर-नजीबाबाद मार्ग पर झलरा के पास स्वाहेड़ी ब्रिज से पहले स्थित सागौन की नर्सरी में पेड़ों के कटान को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यहां करीब एक हजार से अधिक सागौन के पेड़ बताए जा रहे हैं। आरोप है कि महज 85 पेड़ों के कटान की अनुमति की आड़ में ठेकेदार ने सैकड़ों पेड़ों पर आरा चलवा दिया। सबसे गंभीर बात यह है कि मौके पर काटे गए पेड़ों पर वन विभाग की नियमानुसार मार्किंग (निशानदेही) तक नहीं की गई थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर बिना मार्किंग पेड़ों का कटान किसके इशारे पर किया जा रहा था और अनुमति से अधिक पेड़ काटने की कथित योजना किसकी थी।

मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। बताया जाता है कि शुरूआत में ठेकेदार की ओर से करीब 250 पेड़ों की कटान की अनुमति होने की बात कही गई थी, लेकिन जब मामले को लेकर डीएफओ जय सिंह कुशवाह से जानकारी ली गई तो उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल 85 पेड़ों के कटान की अनुमति दी गई है। ऐसे में सवाल यह है कि जब अनुमति सिर्फ 85 पेड़ों की थी तो मौके पर सैकड़ों पेड़ों का कटान कैसे शुरू हो गया। नियमानुसार जिन पेड़ों के कटान की अनुमति दी जाती है, उनकी वन विभाग की ओर से मौके पर मार्किंग की जाती है, ताकि निर्धारित पेड़ों के अलावा किसी अन्य पेड़ को न काटा जा सके। लेकिन झलरा की इस नर्सरी में आरोप है कि बिना किसी मार्किंग के ही पेड़ों पर आरा चला दिया गया। इससे आशंका जताई जा रही है कि 85 पेड़ों की अनुमति की आड़ में बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने की तैयारी थी।

मामले का सबसे अहम घटनाक्रम उस समय सामने आया जब ठेकेदार के पास अचानक फोन आया। इसके बाद लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को वहां से रवाना कर दिया गया। आरोप है कि बिना मार्किंग काटे गए पेड़ों की लकड़ी को भी ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरवाकर मौके से हटवा दिया गया। आखिर फोन पर ऐसा क्या संदेश मिला कि लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तत्काल वहां से रवाना कर दिया गया क्या मौके पर हो रहे कटान की जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुंच चुकी थी। बताया जा रहा है कि उच्च अधिकारियों से शिकायत होने के बाद पेड़ों का कटान रुकवाया गया। यदि समय रहते शिकायत नहीं होती तो क्या अनुमति से कहीं अधिक पेड़ों का कटान हो चुका होता इस पूरे घटनाक्रम ने वन विभाग की निगरानी और जिम्मेदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।ठेकेदार की वन विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से इस तरह के कार्यों में लिप्त रहता है। यदि अनुमति केवल 85 पेड़ों की थी तो बिना मार्किंग सैकड़ों पेड़ों का कटान कैसे हुआ? लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से किसके निर्देश पर रवाना किया गया? क्या काटे गए सभी पेड़ों का विभागीय रिकॉर्ड तैयार नहीं किया गया है?

रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवकों की मौत, परिवारों में मचा कोहराम

पहले भी इसी बस से हुआ था हादसा, कुछ माह पूर्व ही हुई थी गौरव की शादी





हीमपुर दीपा/बिजनौर (सब का सपना):- इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दो युवकों की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सिकरा औंधा निवासी 27 वर्षीय गौरव पुत्र नेपाल तथा ग्राम पुट्ठा निवासी कार्तिक पुत्र अशोक धीमान बाइक पर सवार होकर हीमपुर दीपा से बिजनौर की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि गांव से बाहर बिजनौर रोड पर स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने उनकी बाइक बिजनौर से चांदपुर की ओर जा रही रोडवेज बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर में बाइक सवार दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटनाग्रस्त बाइक का नंबर उ्छ95अ9975 तथा रोडवेज बस का नंबर व्ढ20इ्ळ7254 बताया गया है।

इस दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसी रोडवेज बस से जुड़ी एक पुरानी घटना का भी जिक्र किया। लोगों के अनुसार, करीब एक-दो माह पूर्व इसी बस ने हीमपुर दीपा निवासी चंद्रपाल सिंह, कमलेश शर्मा और सौपाल सिंह को टक्कर मार दी थी। उस हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए स्याऊ ले जाया गया था, जहां उनकी जान बच सकी थी। अब इसी बस से हुए हादसे में दो युवकों की मौत के बाद बसों की रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर क्षेत्र में सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, पूर्व की घटना और वर्तमान हादसे के संबंध में पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हादसे में जान गंवाने वाले गौरव को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में गहरा दुख है। बताया जा रहा है कि गौरव की शादी करीब चार-पांच माह पूर्व ही धूमधाम से हुई थी। वह बाहर रहकर नौकरी करता था और दीपावली का त्योहार मनाने के लिए घर आया हुआ था। परिजनों के साथ हंसी-खुशी दीपावली मनाने के बाद सोमवार को वह घर से निकला था, लेकिन किसी को क्या पता था कि वह अब कभी लौटकर नहीं आएगा। हादसे में उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। जवान बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने हादसों पर अंकुश लगाने के लिए वाहनों की गति पर नियंत्रण और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है। इस दर्दनाक हादसे ने दो परिवारों को ऐसा गहरा जख्म दिया है, जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकेगी।

नालसा का उद्देश्य न्याय से कोई न रहे वंचित:- अशोक कुमार



हापुड़ (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण हापुड़ अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार, प्रथम के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ. ब्रह्मपाल सिंह के निर्देश पर नगर पालिका परिषद हापुड़ के वार्ड 38 के मोहल्ला सिकंदर गेट में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम चौक पर विधिक साक्षरता का शिविर लगाया गया।

शिविर में पी.एल.वी. अशोक कुमार ने बताया कि नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे, न्याय सभी के लिए है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिविर तथा रैलियों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है। उन्होंने बताया कि दिसंबर माह तक मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें वैवाहिक विवाद, भरण-पोषण विवाद, उपभोक्ता विवाद, घरेलू हिंसा, शमनीय अपराध, ऋण वसूली के मामले, संपत्ति बंटवारे, भूमि अधिग्रहण आदि के मामले निपट सकते हैं। लोक अदालत में आपसी समझौते में विवाद को हल करा सकते हैं। इसके अलावा यदि किसी गरीब, असहाय को पैनल अधिवक्ता लेना हो तो उसे पैनल अधिवक्ता मुहैया कराया जाता है। पी.एल.वी. अनुज कुमार ने बताया कि मेगा शिविर के द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य किया जाता है। शिविर में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सोसायटी के चेयरमैन दानिश कुरैशी व सभासद मुशीर अहमद का सहयोग रहा। अनुज कुमार ने विधिक सेवा कार्यों की जानकारी के साथ नालसा हेल्पलाइन 15100, चल रहे मध्यस्थता अभियान, लोक अदालत तथा पैनल अधिवक्ता लेने, सरकारी योजनाओं के लाभ लेने की जानकारी देकर जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन दानिश कुरैशी ने भी विचार व्यक्त किए।

ड्यूटी के दौरान पंप हाउस में फंदे से लटका मिला कर्मचारी का शव, पहुंची पुलिस; परिजनों में मातम

एजेंसी

वाराणसी। ड्यूटी के दौरान पंप हाउस में 21 वर्षीय कर्मचारी का शव फंदे से लटका मिला। अगली शिफ्ट में ड्यूटी पर पहुंचे कर्मचारियों ने शव देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर संबंधित अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। घटना के बाद सभासद ने पंप हाउस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अनपरा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 स्थित लक्ष्मण नगर में विश्वकर्मा मंदिर के पास पंप हाउस में रविवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां ड्यूटी पर तैनात 21 वर्षीय कर्मचारी इबरार खान का शव पंप हाउस के अंदर लोहे की रेलिंग से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान पिपरी सोनवानी, डिबुलगंज निवासी इबरार खान पुत्र पप्पू खान उर्फ मोहम्मद साहब खान के रूप में हुई। वह पिछले एक वर्ष से लक्ष्मण नगर स्थित एलएंडटी के पंप हाउस में कार्यरत था। रविवार को उसकी ड्यूटी दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक थी। रात में अगली शिफ्ट के कर्मचारी पंप हाउस पहुंचे तो अंदर उसका शव नायलॉन की रस्सी के सहारे लोहे की रेलिंग से लटका मिला। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और सुपरवाइजर को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को रेणुसागर स्थित मोर्चरी हाउस में रखवाया गया है। अनपरा थानाध्यक्ष राजेश चौबे ने बताया कि घटना रविवार रात करीब नौ बजे की है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर, बिहार रूट की ट्रेनों में खचाखच भीड़, सीट के लिए मारामारी; खड़े होकर करनी पड़ी यात्रा

एजेंसी

वाराणसी। दीपावली के बाद गोरखपुर और बिहार रूट की ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जनरल और स्लीपर कोच खचाखच भरे होने से सीट के लिए मारामारी की स्थिति रही। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। दीपावली और छठ के मद्देनजर ट्रेनों में भीड़ का असर रविवार को दीपावली के दिन भी देखने को मिला। कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर बनारस रेलवे स्टेशन और वाराणसी सिटी स्टेशन तक सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर ट्रेनों में भीड़ सबसे अधिक रही। विशेषकर गोरखपुर और बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी रहीं और सीट के लिए मारामारी करनी पड़ी। दो दिन पहले कैंट स्टेशन पर यात्रियों के



बीच मारपीट के बाद रविवार को विशेष सतर्कता बरती गई। दीपावली पर दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य जगहों से कोई परिवार के साथ घर लौट रहा है तो बहुत से लोग अकेले यात्रा कर रहे हैं। अब जबकि दीपावली का त्योहार खत्म हो गया है, ऐसे में लोग छठ के लिए घर लौटने लगे हैं। इसी वजह से रविवार को कैंट रेलवे स्टेशन से गोरखपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस और चौरीचौरा एक्सप्रेस के साथ ही बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में भी खूब भीड़ रही। स्थिति यह रही कि ज्यादातर लोगों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। इसी तरह का नजारा बनारस रेलवे स्टेशन पर भी दिखा। इस बीच रेलवे स्टेशन पर आरंपीएफ जवानों के साथ ही जीआरपी की टीम भी मुस्तैद रही। सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों तक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से बार-बार यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से भी की जाती रही। ट्रेनों में यात्रा के समय सावधानी बहुत जरूरी : डीआरएम पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशीष जैन ने यात्रियों से ट्रेन में यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। आशीष जैन ने अपनी अपील में कहा कि यात्रा के दौरान ट्रेनों में ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए। साथ ही ट्रेन की छत पर बैठकर अथवा दरवाजे पर लटककर यात्रा नहीं करनी चाहिए। यात्रियों से अपील है कि स्टेशनों पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल ऊपरीगामी पुल (एफओबी), लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करें।

नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले गुनाहगार को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ 22 हजार का जुमार्ना



हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) के चिकासी क्षेत्र के इस्लामपुर गांव में 17 साल की नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले गुनाहगार विपिन यादव को पाक्सो अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया 22 हजार का जुमार्ना। अभियोजन की तरफ से पैरवी कर रहे एडीजीसी रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर चिकासी क्षेत्र के इस्लामपुर निवासी मुल्जिम विपिन यादव पुत्र गजराज के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या-112/2021 धारा-376/456 आईपीसी सहित 4 पोक्सो के तहत 3(2)5 एससीएसटी में 22 अक्टूबर 2021 को मामला दर्ज किया गया था। वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत पाक्सो अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने मुल्जिम विपिन यादव को गुनाहगार मानते हुये धारा- 456, आईपीसी सहित 4 पॉक्सों के साथ ही 3(2)5 एससीएसटी के तहत उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया 22 हजार का जुमार्ना। जबकि मामले की जांच तत्कालीन सीओ अखिलेश राजन ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी।

चंडीगढ़ में दीपावली पर पटाखों से 189 लोग झुलसे, 37 की आंखों में चोट; पीजीआई में सात मरीज गंभीर रूप से घायल

चंडीगढ़। दीपावली पर आतिशबाजी का उत्साह कई लोगों के लिए दर्दनाक हादसों में बदल गया। पटाखे जलाने के दौरान हुए हादसों में शहर के चार प्रमुख सरकारी अस्पतालों में 189 लोग झुलसने और 37 लोग आंखों में चोट लगने के बाद उपचार के लिए पहुंचे। वहीं, पटाखों से गंभीर रूप से घायल सात मरीज पीजीआइ पहुंचे। इनमें चार लोगों के हाथों में पटाखे फटने से गंभीर चोटें आईं, जबकि तीन अन्य मरीज कपड़ों में आग लगने के कारण झुलस गए। पीजीआइ में तीन मरीजों के हाथों का एडवांस्ड ट्रॉमा सेंटर (एटीसी) में ऑपरेशन करना पड़ा। चार सरकारी अस्पतालों में दीपावली के दिन कुल 1450 मरीजों ने उपचार करवाया।हाथ में पटाखे फोड़ना पड़ा भारी

पीजीआइ के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. अतुल पराशर के अनुसार, चार मरीजों के हाथों में उस समय पटाखे फट गए, जब वे उन्हें हाथ में पकड़कर जला रहे थे। विस्फोट के कारण उनके हाथों में गंभीर चोटें आईं। इनमें से तीन मरीजों का एडवांस्ड ट्रॉमा सेंटर में ऑपरेशन किया गया, जबकि एक अन्य मरीज को ड्रेसिंग के बाद उपचार दिया जा रहा है। पटाखे जलाने के दौरान कपड़ों में आग लगने से तीन अन्य लोग झुलस गए। इन मरीजों के शरीर का करीब 15 से 20 प्रतिशत हिस्सा जल गया है।



गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पीजीआइ के बर्न हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) में भर्ती किया गया है। प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

चार सरकारी अस्पतालों में 1450 मरीज पहुंचे

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, दीपावली के दिन जीएमएसएच-16, सिविल अस्पताल मनीमाजरा, सेक्टर-22 और सेक्टर-45 में कुल 1450 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें सबसे अधिक 737 मरीज जीएमएसएच-16 में आए। सिविल अस्पताल मनीमाजरा में 313, सेक्टर-22 में 138 और सेक्टर-45 में 262 मरीजों का उपचार किया गया।

पटाखों से झुलसने के कुल 189 मामले सामने आए। इनमें जीएमएसएच-16 में 87, मनीमाजरा में 49, सेक्टर-45 में 44 और सेक्टर-22 में नौ मरीज पहुंचे। वहीं, आंखों में चोट लगने के 37 मामले दर्ज किए गए। जीएमएसएच-16 में 29, मनीमाजरा में चार, सेक्टर-45 में तीन और सेक्टर-22 में एक मरीज का उपचार किया गया। आंख में चोट के एक मरीज को सेक्टर-45 अस्पताल से पीजीआइ रेफर किया गया। दीपावली के दिन सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए 47 लोग भी इन चार अस्पतालों में उपचार के लिए पहुंचे। इनमें जीएमएसएच-16 में 12, मनीमाजरा में दो, सेक्टर-22 में छह और सेक्टर-45 में 27 मरीजों का उपचार किया गया।

डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि पटाखे कभी भी हाथ में पकड़कर न जलाएं। आतिशबाजी के दौरान सुरक्षित दूरी बनाए रखें और ढीले या ज्वलनशील कपड़े पहनने से बचें। थोड़ी सी लापरवाही गंभीर चोट और जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है।

दीपावली पर चंडीगढ़ पुलिस कंट्रोल रूम में आई 494 कॉल, पटाखों से जुड़ी 203 शिकायतें



चंडीगढ़। दीपावली के दिन रविवार को शहर में पटाखों और आगजनी से जुड़ी घटनाओं को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में कुल 494 कॉल प्राप्त हुईं। पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इनमें सबसे अधिक 203 कॉल पटाखों से संबंधित घटनाओं की थीं, जबकि आग लगने की 34 घटनाओं की सूचना भी पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। दीपावली के दौरान शहर में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किए थे। प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ लगातार गश्त की जा रही थी। आपात स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम भी सक्रिय रहा।पुलिस के अनुसार, त्योहार के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही।

टंकेश्वर कुमार होंगे पंजाब यूनिवर्सिटी के नए कुलपति, 3 साल का होगा कार्यकाल

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) को नया कुलपति मिल गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मौजूदा कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार को पंजाब यूनिवर्सिटी का नया वाइस चांसलर नियुक्त किया गया है। भारत के उपराष्ट्रपति के सचिवालय की ओर से सोमवार 9 नवंबर को इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। डॉ. टंकेश्वर कुमार तीन साल तक पंजाब यूनिवर्सिटी के कुलपति की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से शुरू होगा। इस नियुक्ति के साथ ही विश्वविद्यालय में नियमित कुलपति की नियुक्ति को लेकर चल रहा इंतजार भी खत्म हो गया है।उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि पंजाब यूनिवर्सिटी एक्ट, 1947 की धारा 10 के तहत प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह नियुक्ति की गई है। पंजाब यूनिवर्सिटी के चांसलर एवं भारत के उपराष्ट्रपति ने डॉ. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त करने की मंजूरी दी है। अधिसूचना पर उपराष्ट्रपति के सचिव और पंजाब यूनिवर्सिटी के चांसलर अमित



खरे के हस्ताक्षर हैं।तीन साल का होगा कार्यकाल

अधिसूचना के अनुसार डॉ. टंकेश्वर कुमार वर्तमान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। अब उन्हें पंजाब यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालय की कमान सौंपी गई है। उनका कार्यकाल तीन साल निर्धारित किया गया है। हालांकि, यह अवधि नियुक्ति की अधिसूचना जारी होने की तारीख से नहीं, बल्कि उनके कुलपति पद का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी। नियुक्ति संबंधी अधिसूचना भारत के राजपत्र के भाग-दो, सेक्शन-3 (ए) में प्रकाशित करने के लिए जारी की गई है। इसकी प्रतियां केंद्रीय गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, पंजाब सरकार के मुख्य सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव को भी भेजी गई हैं। इसके अलावा पंजाब यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिसूचना की प्रति भेजी गई है।

डॉ. टंकेश्वर कुमार की नियुक्ति को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक नेतृत्व के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब विश्वविद्यालय में नए कुलपति के कार्यभार संभालने के बाद उनके सामने शैक्षणिक व्यवस्था, शोध गतिविधियों, प्रशासनिक फैसलों और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

मोहाली में हर्षोल्लास से मनाई गई दीपावली, गुरुद्वारों में मनाया बंदी छोड़ दिवस; बुजुर्गों-छोटे बच्चों ने जलाई मोमबत्ती

मोहाली। शहर में दीपावली का पावन पर्व खुशी और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी लाइटों और दीपों से सजाया। गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना, गुरुद्वारा अंब साहिब सहित शहर के अन्य गुरुद्वारों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया और गुरवाणी का पाठ किया गया। लोगों ने गुरुद्वारों में पहुच कर मोमबत्तियां जलाई। शाम होते ही शहर के विभिन्न इलाकों में आतिशबाजी का दौर शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा।

लोगों ने पटाखे और बम चलाकर दीपावली की खुशियां मनाईं। वहीं, शहर के गुरुद्वारों में दीपावली के साथ बंदी छोड़ दिवस के उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारों में पहुंचकर माथा टेका और गुरबाणी का श्रवण किया। गुरुद्वारों में रोशनी और धार्मिक कार्यक्रमों के बीच श्रद्धालुओं ने बंदी छोड़ दिवस मनाया। यह दिन छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी की याद में मनाया जाता है।देर रात तक हुई आतिशबाजी

इस दिन गुरु साहिब ने ग्वालियर के किले से 52 हिंदू राजाओं को अपनी सूझबूझ और कृपा से कैद से मुक्त करवाया था।



गुरु साहिब के श्री अमृतसर पहुंचने पर संगत ने दीपमाला कर उनका भव्य स्वागत किया था। इसी खुशी में बंदी छोड़ दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई।दूसरी ओर, प्रशासन की ओर से लोगों को रात 8 से 10 बजे तक ही आतिशबाजी करने की हिदायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद कई इलाकों में देर रात तक पटाखे और बम चलाए जाते रहे। लगातार आतिशबाजी के कारण शहर की हवा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ा और प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया। दीपावली के बाद मोहाली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। 82 साल की बुजुर्ग महिला ने जलाई मोमबत्ती दीवाली पर्व और बंदी छोड़ दिवस मनाने को लेकर गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना में उम्रदराज 82 साल की उर्मिला को लेकर पर उनके परिवार वाले पहुंचे। मोहाली की रहने वाली इस उम्रदराज महीना ने गुरुद्वारा साहिब में दीए-मोमबत्ती जलाई। वहीं 6 महीने के अमानत को लेकर भी परिजनों ने गुरुद्वारा पहुंच कर मथा टेकवाया।

जालंधर में दीवाली पर पटाखे से लगी आग, बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत; पालतू डॉग ने भी तोड़ा दम

जालंधर। दीवाली की रात पटाखे की चिंगारी एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गई। निजातम नगर की गली नंबर छह में एक मकान की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में पटाखा गिरने से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से कमरे में मौजूद बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत हो गई। कमरे में मौजूद उनका पालतू जानवर भी आग की भेंट चढ़ गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और दीवाली की खुशियां मातम में बदल गईं। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि दीवाली की रात इलाके में लोग पटाखे चला रहे थे। इसी दौरान एक जलता हुआ पटाखा हवा में उड़कर मकान की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में जा गिरा। कमरे का सामान भी हुआ खाक पटाखे की चिंगारी से कमरे में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कमरे में रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। हादसे के समय परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर गए हुए थे, जबकि बुजुर्ग कमरे में अकेले मौजूद थे। आग तेजी से फैलने और कमरे में धुआं भरने के कारण उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। लपटों की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ मौजूद पालतू जानवर भी आग में झुलसकर मर गया। मकान की ऊपरी मंजिल से आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी।दमकलकर्मियों ने 22 मिनट तक की मशक्कत सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब 22 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था।हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में कुछ देर पहले दीवाली की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

लुधियाना में पटाखे की चिंगारी से भड़की आग, 10 दुकानें जलकर खाक



लुधियाना। ढंडारी खुर्द मार्केट में दीवाली की रात पटाखे से निकली एक चिंगारी ने ऐसा कहर बरपाया कि देखते ही देखते करीब दस दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि पटाखे से निकली चिंगारी सबसे पहले रजाई और रूई बनाने वाली दुकान में पहुंची। दुकान में रूई और अन्य ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने अचानक विकराल रूप धारण कर लिया। टीन शेड के नीचे बनी दुकानों से आग की ऊंची लपटें उठती देख मार्केट में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार अपनी जान बचाने के लिए दुकानों से बाहर भागने लगे। बॉल्टियों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास आग लगते ही आसपास मौजूद लोगों ने बाल्टियों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन रूई और अन्य सामान में आग तेजी से फैलने के कारण उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। कुछ ही देर में आग ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। फोकल प्वाइंट फायर स्टेशन से पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान एक दुकान का गेट तक तोड़ना पड़ा।बिजली की लटकती तारों के बीच जमा हो गई थी भीड़ आग की घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान दुकानों के बाहर बिजली की तारें भी इधर-उधर लटक रही थीं, जिससे लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया था।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे ढंडारी चौकी इंचार्ज गुरमीत सिंह ने पुलिस टीम के साथ लोगों को घटनास्थल से सुरक्षित दूरी पर करवाया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। अगर भीड़ को समय रहते वहां से नहीं हटाया जाता तो आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। गैस सिलिंडर तक पहुंच सकती थी आग, टला बड़ा हादसा हालात उस समय और गंभीर हो गए, जब पता चला कि एक दुकान के अंदर गैस सिलिंडर भी रखा हुआ है।

आग अगर सिलिंडर तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से आसपास की करीब 15 अन्य दुकानों और रिहायशी इलाके को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया।

किसी की जान नहीं गई, लेकिन सालभर की कमाई राख आग से प्रभावित दुकानदार मेयराज ने बताया कि वह रजाई और गद्दे बनाने का कारोबार करते हैं।

आग में मशीनों सहित करीब पांच लाख रुपये का सामान जल गया। मिथलेश देवी और सोनू कुमार ने बताया की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ। मंजीत कुमार ने बताया कि उन्होंने दीवाली के लिए जूस और जनरल स्टोर का अतिरिक्त स्टॉक जमा किया था, लेकिन करीब दो लाख रुपये का सामान नष्ट हो गया। लाखों रुपये का नुकसान

दिलीप सिंह की फास्ट फूड दुकान में करीब 80 हजार रुपये का सामान जल गया। राज किशोर की जूस और फल की दुकान में फ्रिज सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि गल्ले में रखे 15 हजार रुपये भी आग की भेंट चढ़ गए। उन्हें करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। रात 11:11 बजे पहुंची दमकल विभाग की टीम फोकल प्वाइंट फायर स्टेशन के फायर इंस्पेक्टर मंदीप सिंह ने बताया कि रात 11:11 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

625 KM की साइकिल यात्रा से पंजाब में चुनावी अभियान शुरू करेगी कांग्रेस, 2000 से ज्यादा लोग होंगे शामिल



चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अब जमीनी स्तर पर अपना चुनावी अभियान तेज करने जा रही है। इसी कड़ी में पंजाब कांग्रेस 12 नवंबर से जवानी संभाल साइकिल यात्रा शुरू करेगी। नशे के खिलाफ जागरूकता और प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक मुद्दों को लेकर निकाली जाने वाली यह यात्रा आठ दिन तक चलेगी। 12 नवंबर को श्री चमकौर साहिब से शुरू होकर 19 नवंबर को खन्ना में इसका समापन होगा। इस दौरान साइकिल यात्रा करीब 625 किलोमीटर का सफर तय करते हुए पंजाब के 27 विधानसभा हलकों और 24 शहरों व कस्बों से होकर गुजरेगी। दो हजार से ज्यादा लोग होंगे शामिल

पंजाब कांग्रेस की कैपेन कमेटी के चेयरमैन एवं पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अगुवाई में आयोजित होने वाली इस यात्रा में दो हजार से अधिक साइकिल सवारों के शामिल होने की तैयारी है।कांग्रेस इसे केवल नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसके जरिए पार्टी 2027 के चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरूआत और कार्यकताओं को लामबंद करने की रणनीति पर काम कर रही है। यात्रा में पंजाब कांग्रेस के प्रधान परगट सिंह, पार्टी प्रभारी सचिन पायलट, सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित प्रदेश के सभी प्रमुख नेताओं के शामिल होने की संभावना है। पार्टी की योजना है कि अलग-अलग विधानसभा हलकों से गुजरने के दौरान वहां के संबंधित नेता और विधायक अपने-अपने क्षेत्र में यात्रा के साथ जुड़ेंगे। इससे स्थानीय कार्यकताओं और आम लोगों तक सीधा संपर्क बनाने की कोशिश होगी। यात्रा के शुरूआती कार्यक्रम में दिल्ली से भी कांग्रेस का कोई बड़ा नेता शामिल हो सकता है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नामों पर चर्चा है। जल्द होगा अंतिम फैसला

हालांकि, दिल्ली से शामिल होने वाले नेताओं को लेकर अंतिम फैसला अगले एक-दो दिनों में होने की संभावना है। इसी सप्ताह यात्रा के पूरे कार्यक्रम और रूट को अंतिम रूप दिया जाएगा। यात्रा के दौरान नशे, भ्रष्टाचार और पंजाब की कानून-व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा। कांग्रेस का लक्ष्य इन मुद्दों पर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के साथ चुनावी माहौल तैयार करना है।

साइकिल यात्रा के बाद इसी महीने प्रियंका गांधी वाड्रा की भी पंजाब में रैली करवाने की तैयारी है। इस तरह राहुल गांधी की संगरूर रैली के बाद कांग्रेस राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व की लगातार सक्रियता के जरिए पंजाब में अपने चुनावी अभियान को गति देने की कोशिश में जुटी है।

दीवाली की रात मोहाली में आग की 41 घटनाएं, थार समेत 25 कारें जलीं

मोहाली। दीवाली की रात पटाखों से निकली चिंगारियों ने मोहाली में कई जगह आग लगा दी। दमकल विभाग को जिले में आग लगने की कुल 41 सूचनाएं मिलीं। इनमें पांच घटनाएं ऐसी थीं, जहां आग ने विकराल रूप ले लिया और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि किसी भी घटना में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

आग लगने की सबसे अधिक 15 घटनाएं मोहाली शहर में हुईं। जीरकपुर और डेराबस्सी में आठ-आठ, जबकि खरड़ में आग लगने की 10 सूचनाएं मिलीं। ज्यादातर घटनाएं खाली प्लाटों में सूखी घास, झाड़ियों और कूड़े के ढेर में आग लगने से जुड़ी थीं। दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।शोरूम में भी लगी आग

जीरकपुर के बलटाना में अवैध रूप से



लगाए गए पटाखों के स्टॉल आग की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि एक दुकान में अनियंत्रित रॉकेट जा गिरा, जिससे वहां रखे पटाखों में आग लग गई। इसके बाद आग आसपास फैल गई। वहीं, मोहाली के सेक्टर-117 में पुरानी कारों के शोरूम में आग लगने से करीब 20 से 25 कारें जलकर राख हो गईं। प्रारंभिक तौर पर राकेट के शोरूम के अंदर गिरने से आग लगने की बात सामने आई है।दीवाली की रात एक पुलिस थाने में भी आग लग गई। यहां विभिन्न मामलों में जब्त करके रखे गए केस प्रापर्टी वाहन आग की चपेट में आकर नष्ट हो गए। फेज-2 में एक मकान के आंगन में खड़ी महिंद्रा थार पर जलता हुआ रॉकेट गिर गया। इससे गाड़ी में आग लग गई और वह पूरी तरह जल गई। थार के पास खड़ी एक्टिवा भी आग की चपेट में आकर जल गई। रातभर आग बुझाने में जुटी टीम

खरड़ में मोबाइल टावर की बैटरी पर जलता हुआ पटाखा गिरने से आग लग गई। इसके अलावा जिले के अलग-अलग इलाकों में कूड़े के ढेर और खाली प्लाटों में सूखी घास व झाड़ियों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। दमकल विभाग की और से दिवाली को लेकर अलग अलग टीमें बनाई गई थी। अलग अलग टीम रातभर आग बुझाने में जुटी रही।

आचार संहिता से पहले एक्शन मोड में चंडीगढ़ नगर निगम, रुके पड़े विकास कार्यों की 48 घंटे में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव से पहले आचार संहिता लागू होने की संभावना को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शहर में विकास कार्यों को गति देने की तैयारी शुरू कर दी है।

स्वीकृति मिलने के बावजूद साइट पर शुरू नहीं हुए विकास कार्यों को लेकर चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने पब्लिक हेल्थ, बिल्डिंग एंड रोड्स तथा हॉर्टिकल्चर एंड एनवायरनमेंट विंग के सभी सुपरिंटेंडिंग इंजीनियरों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत कार्यों को बिना देरी तुरंत शुरू करवाया जाए।

इंजीनियरों को दिए निर्देश

चीफ इंजीनियर ने संबंधित सुपरिंटेंडिंग इंजीनियरों और एग्जीक्यूटिव इंजीनियरों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी स्वीकृत कार्यों की तत्काल समीक्षा की जाए, जो अभी तक शुरू



नहीं हुए हैं। इन कार्यों से संबंधित टेंडर प्रक्रिया, अलॉटमेंट, वर्क ऑर्डर जारी करने और साइट हैंडओवर जैसी लंबित औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएं।

साथ ही केवल कागजों में प्रक्रिया पूरी करने के बजाय संबंधित साइटों पर वास्तविक रूप से काम शुरू करवाना सुनिश्चित किया जाए।

48 घंटे के भीतर मांगी रिपोर्ट

अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए चीफ इंजीनियर ने सभी संबंधित अधिकारियों से 48 घंटे के भीतर प्रत्येक कार्य की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसमें कार्य की स्वीकृति की तारीख, अलॉटमेंट और वर्क ऑर्डर जारी होने की तारीख, मौजूदा स्थिति, काम शुरू नहीं होने के कारण और काम शुरू करने की निश्चित समयसीमा बतानी होगी। उन्होंने सुपरिंटेंडिंग इंजीनियरों को स्वयं विकास कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि अधिकारियों की प्रशासनिक या प्रक्रियागत लापरवाही के कारण कोई भी स्वीकृत कार्य शुरू होने से नहीं रुकना चाहिए। बिना किसी ठोस कारण के देरी या निर्धारित समयसीमा में काम शुरू नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। चीफ इंजीनियर ने इस पूरी प्रक्रिया को टॉप प्रायोरिटी पर रखने के निर्देश दिए हैं। 48 घंटे में अनुपालन रिपोर्ट देने के बाद संबंधित साइटों पर काम वास्तव में शुरू होने की पुष्टि भी करनी होगी।

900 करोड़ की विरासत पर चोरों की नजर, चंडीगढ़ के हेरिटेज मैनहोल कवर बचाने को RFID चिप लगाने की मांग; प्रशासक को लिखा पत्र

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में ली कार्बूजिए और उनकी टीम की ओर से डिजाइन किए गए हेरिटेज मैनहोल कवर की लगातार हो रही चोरी को लेकर एडवोकेट अजय जग्गा ने प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने इन ऐतिहासिक कवर की सुरक्षा के लिए आरएफआइडी चिप लगाने, प्रत्येक कवर की डिजिटल पहचान बनाने और उनकी आवाजाही पर नजर रखने का सुझाव दिया है। उन्होंने इनकी कुल अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत 900 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान भी जताया है।जग्गा ने पत्र में कहा है कि सेक्टर-45 और 46 सहित शहर के विभिन्न हिस्सों से पिछले दिनों हेरिटेज मैनहोल कवर चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। नगर निगम के सब डिवीजनल इंजीनियर की ओर से इन मामलों में पुलिस को छह शिकायतें भी दी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय नीलामी में एक कवर की कीमत 15 लाख से 30 लाख रुपये तक मिलने की बात सामने आई है।3000 कवर का तैयार हो वैज्ञानिक रिकॉर्ड

अजय जग्गा ने बताया कि चंडीगढ़ हेरिटेज आइटम प्रोटेक्शन सेल की बैठकों में जानकारी दी गई थी कि नगर निगम के अधीन शहर में अभी भी करीब 3000 ऐसे हेरिटेज मैनहोल कवर मौजूद हैं।

यदि एक कवर की कीमत 30 लाख रुपये मानी जाए तो इनकी कुल सांकेतिक बाजार कीमत 900 करोड़ रुपये बैठती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इनका वास्तविक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व किसी भी आर्थिक मूल्यांकन से कहीं अधिक है। उन्होंने प्रशासन से सभी कवर का सेक्टरवार और लोकेशन के हिसाब से भौतिक सत्यापन करवाने, उनकी फोटो, आकार, स्थिति और स्थान



का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने तथा प्रत्येक को यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने की मांग की है। इसके साथ ही आरएफआइडी चिप लगाने और जियो-टैगिंग के माध्यम से निगरानी व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया है, ताकि चोरी होने की स्थिति में उनकी आवाजाही का पता लगाया जा सके। मूल कवर हटाकर सुरक्षित संग्रहालय में रखने का सुझाव पत्र में कहा गया है कि जहां तकनीकी और संरचनात्मक रूप से संभव हो, वहां मूल हेरिटेज कवर की जगह आधुनिक मैनहोल कवर लगाए जाएं और ऐतिहासिक कवर को विशेषज्ञों की निगरानी में किसी सुरक्षित हेरिटेज रिपोजिटरी या संग्रहालय में संरक्षित किया जाए। उन्होंने चोरी के सभी मामलों की जांच, सीसीटीवी फुटेज खंगालने, अंतरराष्ट्रीय नीलामी घरों और संभावित तस्करी नेटवर्क की पड़ताल करने की भी मांग की है। केंद्र सरकार से आर्ट ट्रेजर घोषित करवाने की मांग

अजय जग्गा ने एक महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए इन हेरिटेज कवर को एंटीक्विटीज एंड आर्ट ट्रेजर्स एक्ट के तहत आर्ट ट्रेजर घोषित करवाने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिनियम की धारा 2(बी) के तहत राजपत्र अधिसूचना जारी करवाने का प्रस्ताव रखा है। उनका कहना है कि इससे इन कलात्मक धरोहरों को कानूनी संरक्षण दिलाने का रास्ता खुल सकता है। उन्होंने हेरिटेज आइटम प्रोटेक्शन सेल को मजबूत करने, वरिष्ठ नोडल अधिकारी नियुक्त करने और नगर निगम, पुलिस, प्रशासन तथा संस्कृति विभाग के बीच समन्वय स्थापित करने की मांग की है।

दीपावली पर जब शहर में जल रहे थे दीये, तब सांसें बचा रहे थे ये जांबाज; जालंधर के इन 4 हीरोज के लिए ड्यूटी सबसे बड़ा त्योहार

जालंधर। दीवाली का त्योहार आते ही पूरा देश रोशनी से नहा उठता है। साल भर विदेशों में मेहनत करने वाले लोग भी इस एक त्योहार के लिए अपने घर लौट आते हैं। साल भर की थकान, काम का दबाव और दूरियों का दर्द सब कुछ भूलकर हर किसी की बस एक ही चाहत होती है कि इस बार की दीवाली अपनों के बीच मने। घर में लक्ष्मी पूजन हो, आंगन में दीये जलें, बच्चे पटाखे चलाएं और बुजुर्गों के साथ बैठकर हंसी-मजाक हो। लेकिन इसी रोशनी के बीच कुछ ऐसे चेहरे भी हैं, जिनकी दीवाली कभी घर के आंगन में नहीं मनती। सफेद कोट पहने हाथ अस्पताल के वार्ड में मरीजों की सांसें गिन रहे होते हैं, खाकी वर्दी पहने जवान सड़क पर किसी अनजान की जिंदगी बचाने के लिए दौड़ रहे होते हैं और फायर ब्रिगेड की वर्दी पहने अफसर आग की लपटों के बीच शहर को सुरक्षित रखने के लिए खड़े होते हैं। इनके लिए दीवाली का मतलब छुट्टी नहीं, बल्कि



ड्यूटी ही सबसे बड़ा त्योहार है। जालंधर और आसपास के ऐसे ही चार लोगों की कहानी बताती है कि त्योहार की असली रोशनी तो इन्हीं के त्याग से फैलती है।

अमिता अग्रवाल, सतपाल सिंह, सरबजीत सिंह और मनिंदर सिंह, ये चारों अलग-अलग विभागों में हैं, लेकिन इनकी सोच एक ही है। जब हम अपने घरों में दीये जला रहे होते हैं, तब ये लोग अस्पताल, हाईवे, थाने और फायर स्टेशन पर हमारी सुरक्षा के लिए जाग रहे होते हैं। इनकी दीवाली भले ही घर से दूर मनती हो, लेकिन इनकी वजह से ही हजारों घरों में दीवाली सुरक्षित और खुशहाल मनती है। यही इनकी सबसे बड़ी सेवा है और यही इनकी असली दीवाली है। लैब में जलते दीये से ज्यादा जरूरी है मरीज की सांसः अमिता

अग्रवाल फिल्लौर के सिविल अस्पताल में पिछले करीब 15 साल से लैब टेक्नीशियन के तौर पर सेवाएं दे रहीं अमिता अग्रवाल इसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं। वह अब तक सात बार दीवाली के दिन ड्यूटी कर चुकी हैं।



ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-



अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।



शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं? खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने



परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

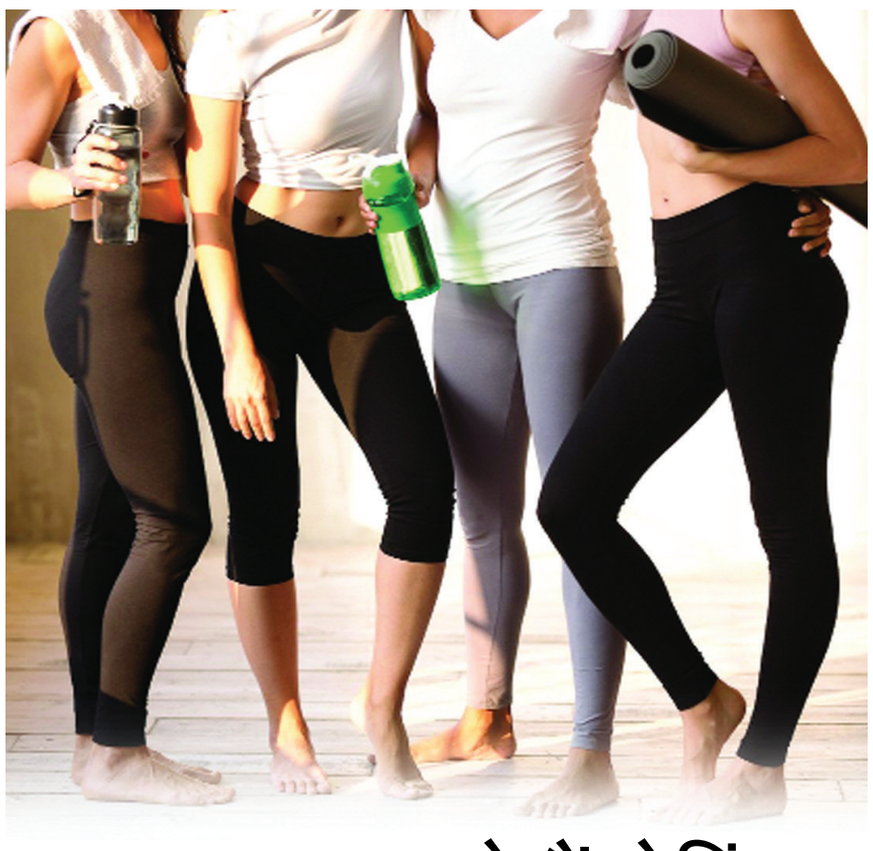
किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।



पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं। जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।



क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

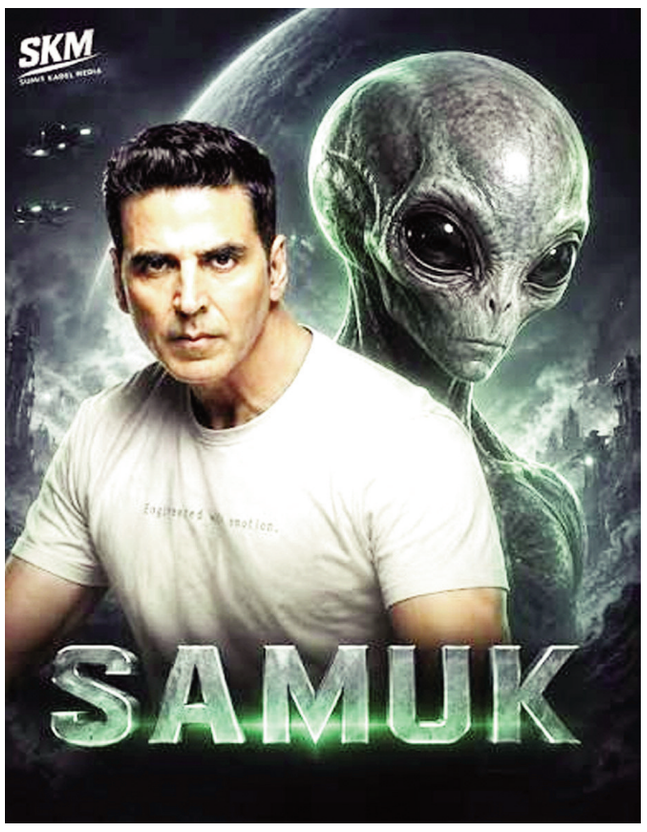
पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।



8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
मंगलवार 10 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com



अक्षय कुमार की समुक में नया एक्टर बनेगा विलेन

अक्षय कुमार इन दिनों दो अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में व्यस्त हैं। निर्देशक कनिष्क वर्मा की साइंस-फिक्शन एक्शन-सर्वाइवल फिल्म 'समुक' के दूसरे शेड्यूल के लिए करीब 300 लोगों की टीम उत्तराखंड पहुंच चुकी है। वहीं, अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्म की शूटिंग भी अंतिम दौर में बताई जा रही है। दोनों फिल्मों की शूटिंग अक्षय के फिल्मी कैलेंडर के साथ तालमेल बनाकर पूरी की जा रही है।

'समुक' के लिए देहरादून में एक सप्ताह की शूटिंग शुरू हो गई है...

'समुक' का नया शेड्यूल देहरादून में शुरू होने की जानकारी है। विपुल अमृतलाल शाह के निर्माण में बन रही इस फिल्म में अक्षय के साथ रुक्मिणी मैत्रा, विनीत कुमार सिंह, राजत कपूर, स्वानंद किरकिरे, सुशांत सिंह और बनिता संधू नजर आएंगे। फिल्म में एक नए एक्टर को निगेटिव रोल में पेश किए जाने की चर्चा है। हालांकि, 'समुक' के विलेन और उसकी कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

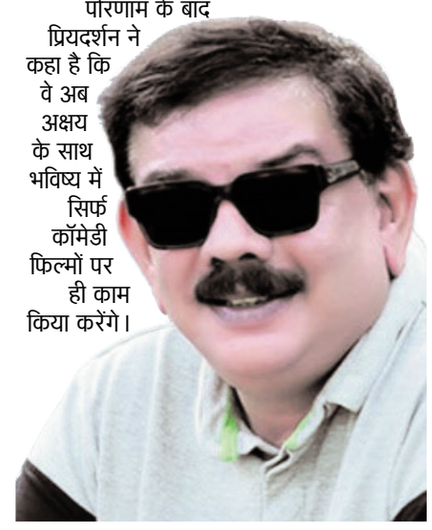
अनीस की फिल्म में कॉमिक टाइमिंग पर होगा खास फोकस



दूसरी ओर, अनीस की कॉमेडी फिल्म में अक्षय के साथ विद्या बालन और राशि खन्ना हैं। विजय राज, राजपाल यादव और सुदेश लहरी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। यहां स्टंट और विजुअल इफेक्ट्स के बजाय कलाकारों की केमिस्ट्री, संवादों की लय और कॉमिक टाइमिंग खास होगी। अक्षय ने मई में फिल्म का केरल शेड्यूल पूरा होने की जानकारी दी थी। अब अलग-अलग लोकेशन पर शूटिंग के लिए कलाकारों की डेट्स तकनीकी संसाधनों और यूनिट की आवाजाही के बीच तालमेल बनाया जा रहा है।

'हैवान' के बाद कॉमेडी पर ही प्रियदर्शन का भरोसा

वहीं प्रियदर्शन और अक्षय की जोड़ी 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला', 'भागम भाग' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाती है। उनकी साथ में आखिरी फिल्म इसी साल 'हैवान' रिलीज हुई। इसमें अक्षय को निगेटिव किरदार में पेश करना उनकी छवि से अलग प्रयोग था। प्रियदर्शन ने अगस्त के आखिर में कहा था कि अक्षय लंबे समय से ऐसा किरदार निभाना चाहते थे और उन्होंने खुद इसमें रुचि दिखाई थी। सितंबर की शुरुआत में निर्देशक ने 'पैडमैन' और 'रुस्तम' जैसी फिल्मों का उल्लेख करते हुए अक्षय की कॉमेडी से आगे की अभिनय क्षमता पर भी जोर दिया। सितंबर के अंतिम सप्ताह की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'हैवान' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बाद प्रियदर्शन ने अक्षय के साथ कॉमेडी पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही। उनकी अगली कॉमेडी-थ्रिलर में अक्षय के शिकारी की भूमिका निभाने की चर्चा भी सामने आई है। हाल ही में प्रियदर्शन ने स्वीकार किया कि दर्शक उन्हें गंभीर या नॉन-कॉमेडी विषयों में स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पहले 'खट्टा मीठा' जैसी गंभीर फिल्मों के साथ भी ऐसा ही हुआ था। 'हैवान' के परिणाम के बाद प्रियदर्शन ने कहा है कि वे अब अक्षय के साथ भविष्य में सिर्फ कॉमेडी फिल्मों पर ही काम किया करेंगे।



लव स्टोरी पर बेस्ड होगी जाह्नवी और श्रीलीला की फिल्म





जाह्नवी कपूर और श्रीलीला पहली बार एक साथ बड़े परदे पर नजर आने वाली हैं। दोनों में शुरू हो गई है। पहाड़ों और खूबसूरत वादियों के बीच फिल्म की कहानी को परदे पर उतारने की तैयारी की जा रही है। जाह्नवी इससे पहले भी उत्तराखंड में शूटिंग कर चुकी हैं। इस फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसका निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं, वह इससे पहले 'पगलैट', 'द ट्रायल' के दूसरे सीजन और 'ग्यारह ग्यारह' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। जबकि इसका निर्माण एकता कपूर और गुनीत मोंगा कपूर मिलकर कर रही हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे एक प्रेम कहानी पर बेस्ड रोमांचक फिल्म बताया जा रहा है। इसकी कहानी दो ऐसी लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ही लड़के को लेकर जुनूनी हो जाती हैं। दोनों के बीच इस लड़के को लेकर किस तरह की परिस्थितियां पैदा होती हैं और इसका असर उनकी जिंदगी पर कैसे पड़ता है, यही में जाह्नवी और श्रीलीला के किरदारों के बीच किस तरह का संबंध होगा, इस बारे में अभी विस्तार से जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल, कहानी के बाकी पहलुओं और किरदारों को लेकर मेकर्स ने चुप्पी बनाए रखी है। हाल ही में जाह्नवी का शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जो देखते ही देखते सुर्खियों में आ गया है।





अक्षय के साथ फिर बनेगी भूमि की जोड़ी, प्रियदर्शन ने किया कन्फर्म

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। अब उनकी एक नई फिल्म से जुड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि निर्देशक प्रियदर्शन की अगली फिल्म में भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, इस खबर पर पहले आधिकारिक मुहर नहीं लगी थी। प्रियदर्शन ने भूमि के फिल्म में शामिल होने की पुष्टि की है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक होता है, तो अक्षय और भूमि करीब चार साल बाद एक बार फिर बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने 2022 में आई फिल्म 'रक्षा बंधन' में साथ काम किया था। इसके अलावा, दोनों की जोड़ी 2017 में आई फिल्म 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' में भी नजर आई थी। प्रियदर्शन की इस नई फिल्म में अक्षय एक अलग तरह के किरदार में नजर आ सकते हैं।



एक एक्टर को एक कलाकार के रूप में देखा जाना चाहिए, भाषा उनके लिए रुकावट नहीं बननी चाहिए

अभिनेत्री कशिका कपूर ने दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के बॉलीवुड में काम करने के दौरान उनके हिंदी लहजे को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी राय साझा की। बातचीत में कशिका ने कहा कि एक एक्टर को एक कलाकार के रूप में देखा जाना चाहिए और भाषा उनके लिए कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। उनसे पूछा गया, 'कभी-कभी हिंदी फिल्मों में काम करने वाले दक्षिण भारतीय एक्टर्स को उनके बोलने के लहजे की वजह से आलोचना का सामना करना पड़ता है। किसी एक्टर को उसकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करने के बारे में आपकी क्या राय है?' इस पर कशिका ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा अक्सर होता है, लेकिन एक एक्टर की पहचान हमेशा एक परफॉर्मर के तौर पर होनी चाहिए। भाषा कभी कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। हमें इंडस्ट्री को यह कहकर नहीं बांटना चाहिए कि यह तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री है या यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है।' 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें अपने पूरे करियर में अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना झेलनी पड़ी है। हालांकि, उन्होंने कभी इस आलोचना की वजह से खुद को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। कशिका ने कहा, 'हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है और बेहतरीन परफॉर्मेंस दे रहा है। उदाहरण के लिए रश्मिका मंदाना को ही ले लीजिए। वह एक शानदार एक्टर और परफॉर्मर हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी को भी उन्हें उनकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करना चाहिए।



क्या 'किंग' में नजर आएंगी करीना कपूर

एक्टर शाहरुख खान के जन्मदिन पर उनकी अगली फिल्म 'किंग' का पहला गाना भी रिलीज किया गया। इस बीच शाहरुख को विश करते हुए करीना कपूर ने भी फिल्म से जुड़ा एक खास नोट शेयर किया है।

शाहरुख के जन्मदिन पर करीना ने एक खास पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें विश किया। इस पोस्ट में उन्होंने एक फोटो शेयर की, जिसमें एक्टसोड़कर देख रहे हैं और ये कयास लगाए जा रहे हैं कि करीना इस फिल्म में नजर आ सकती हैं। हालांकि एक्ट्रेस और किंग की टीम की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

कब रिलीज होगी 'किंग'

फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम कर रहे हैं। यह सुहाना खार्न की परछाई नजर आ रही है और वे डांस फ्लॉर पर नजर आ रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने एक खास कैप्शन भी लिखा। करीना ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे किंग। आप हमेशा दिलों पर राज करते रहें। आओ साथ में डांस करते हैं। 24-12-26 इस पल का बेसब्री से इंतजार है।' फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।





बेटा 2 में ह्यूमनॉइड रोबोट बेस्ड प्लॉट, पिता-पुत्र के इर्द-गिर्द होगी कहानी

अनिल कपूर की फिल्म 'बेटा 2' को लेकर इन दिनों इंडस्ट्री में काफी चर्चा है। 1992 में आई 'बेटा' में मां-बेटे के रिश्ते और पारिवारिक संघर्ष को दिखाया गया था। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी उस फिल्म से अलग नई कहानी में पिता-बेटे के रिश्ते को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमनॉइड टेक्नोलॉजी से जोड़ने की तैयारी है। हालांकि, इसे पुरानी फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं, बल्कि स्टैंडअलोन कहानी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म में ऐसी मशीन की अवधारणा होगी, जो इंसान की रोजमर्रा की जरूरतें और जिम्मेदारियां संभाल सकती है। कहानी के जरिए यह सवाल उठाया जाएगा कि क्या AI और रोबोट परिवार के सदस्यों की जगह ले सकते हैं? खासकर बुजुर्गों की देखभाल में तकनीक कितनी मददगार हो सकती है। फिल्म का निर्देशन करण बुलानी करेंगे, जबकि कहानी 'गुल्लक' फेम दुर्गेश सिंह ने लिखी है। उनकी अगली फिल्म 'शक्तिशालिनी' भी है। फिल्म को जनवरी से फ्लोर पर ले जाने की तैयारी है। हिमाचल प्रदेश में लोकेशन का सर्वे भी किया जा चुका है और इसका संभावित बजट करीब 40 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। बेटे के किरदार के लिए कास्टिंग जारी है और राजकुमार राव का नाम भी चर्चा में है लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनिल को फिल्म में एक ऐसे पिता के रोल में देखा जा सकता है, जिसकी निजी जिंदगी में तकनीक एक बड़ा बदलाव लेकर आती है। मेकर्स का मकसद इस फिल्म के जरिए यह बताने का है कि क्या तकनीक इंसानी रिश्तों पर असर डालती है। इसके अलावा अनिल की दूसरी बड़ी फिल्मों में सिद्धार्थ आनंद की 'किंग' भी शामिल है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।